INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-71 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शुक्रवार, 8 मई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

स्मार्ट मीटर ने लोगों को दिया जोर का झटका

सुबह मोबाइल बैलेंस में आया माइनस का तूफान, लोग हैरान

मसानी क्षेत्र स्थित विद्युत सब स्टेशन में खिड़की पर खड़े उपभोक्ता।

विशेष संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। स्मार्ट मीटर के प्रीपेड सिस्टम ने उपभोक्ताओं को उस वक्त हैरानी में डाल दिया, जब सुबह उठकर लोगों ने अपने मोबाइल में बिजली बैलेंस चेक किया। जहां रात तक सब कुछ सामान्य था, वहीं सुबह बिजली विभाग ने ऐसा झटका दिया कि लोग चक्कर खा गए।

विद्युत सब स्टेशन मसानी पर आए रामप्रकाश ने बताया कि उनके मीटर में रात तक करीब तीन हजार रुपये का बैलेंस था, लेकिन सुबह स्क्रीन पर 1800 रुपये दिख रहा था। वहीं एक अन्य उपभोक्ता के 1500 रुपये अचानक –900 रुपये में बदल गए। विजय शर्मा का हाल भी अलग नहीं रहा। 1800 रुपये का बैलेंस सीधे माइनस 800 की दुनिया में पहुंच गया।

स्थिति बिगड़ते ही मसानी बिजलीघर पर उपभोक्ताओं का जमावड़ा लग गया। लोग हाथों में मोबाइल लेकर पहुंचे और नारे लगाने लगे–स्मार्ट मीटर वापस लो, हमारा पैसा वापस दो! कुछ उपभोक्ताओं

उपभोक्ता बोले... ये बिजली विभाग है या शेयर बाजार !

ने आरोप लगाया कि मीटर इतना स्मार्ट हो गया है कि अब वह बिजली की खपत से ज्यादा "डेटा की खपत" कर रहा है। किसी ने व्यंग्य में कहा–"लगता है मीटर अब ईमानदारी से ज्यादा रचनात्मक हो गया है।"वहीं बिजलीघर के कर्मचारियों का जवाब भी किसी फिल्मी डायलॉग से कम नहीं था–"अभी बाबू साहब नहीं हैं, उनके आने पर ही कुछ बताया जाएगा।" इस बीच सोशल मीडिया पर भी मामला वायरल हो गया और लोग मीम बनाने लगे–"बिजली नहीं, बैलेंस उड़ान सेवा शुरू!" हालांकि विभाग की ओर से इसे तकनीकी त्रुटि बताया जा रहा है और जांच की बात कही गई है, लेकिन उपभोक्ताओं का गुस्सा अभी शांत नहीं हुआ है।फिलहाल मथुरा में लोग यही पूछ रहे हैं–"स्मार्ट मीटर है या स्मार्ट माइनस मशीन?

विद्युत अधिकारी समय पर नहीं पहुंचते आफिस

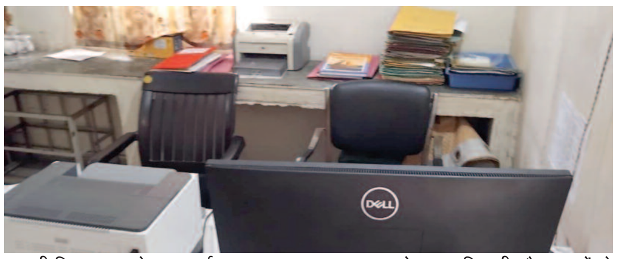

मसानी विद्युत सब स्टेशन कार्यालय का नजारा। सुबह 11 बजे तक अधिकारी और बाबुओं के न आने से खाली पड़ी कुर्सियां।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और ऊर्जा मंत्री एके शर्मा जनता के हित में अधिकारियों को सही समय रोजाना 10 बजे आफिस पहुंचने के लिए प्रयास कर लें, लेकिन वह अधिकारी तो अधिकारी हैं अपनी मर्जी से आफिस पहुंचेंगे। फिर उपभोक्ताओं से अपनी स्टाइल में बात करेंगे।

जिले के अधिकांश विद्युत कार्यालयों का ऐसा ही नजारा दिखाई देता है। उपभोक्ता अपनी समस्या का समाधान कराने के लिए सुबह 10 बजे पहुंच जाते हैं। सोचते हैं कि गर्मी में जल्द काम हो जाएगा, लेकिन आफिस जाकर कुर्सियां खाली देखकर माथा ठनकता है। अब क्या करें। यहां तो कोई नहीं है। किससे अपनी बात करें।

उपभोक्ता अपनी समस्या किसको सुनाएं

जिलाधिकारी समेत अन्य अधिकारियों को इतनी फुर्सत नहीं है कि वह कभी कभार विद्युत विभाग के कार्यालयों का निरीक्षण कर लें। कम से कम अधिकारी और कर्मचारी सही समय पर आ तो जाएंगे।

कभी कभार कोई उनसे पूछने की हिम्मत जुटा पाता है तो जवाब मिलता है कि आफिस बैठने का काम थोड़े न है, और भी तो काम हैं। समझ नहीं आता है कि और काम क्या होते हैं। वह घर से लेट निकलते हैं। वह अपने आपको मुख्यमंत्री से कम नहीं समझते हैं। वजह है कि अब उनको सरकारी नौकरी जो मिल गई है। नौकरी नहीं मिलती तो जनता की तकलीफ समझते।

सीबीआई की जांच के घेरे में आएंगे नकली दवा के कारोबारी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। पुडुचेरी से आगरा समेत देश के कई हिस्सों में नकली और मिलावटी दवाओं की सप्लाई के मामले में अब सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज कर ली है।

मामले में तीन प्रमुख आरोपियों को नामजद किया गया है। दूसरी ओर प्रवर्तन निदेशालय ने भी इस पूरे नकली दवा सिंडिकेट की आर्थिक जांच तेज कर दी है। सीबीआई की सक्रियता से मथुरा के कई मेडिकल स्टोरों के संचालकों में खलबली मच गई है। उनको ऐसा लग रहा है कि कहीं सीबीआई की जांच मथुरा तक न आ जाए।

हालांकि सीबीआई द्वारा दर्ज एफआईआर में अम्मन फार्मा से जुड़े विवेक वेंकटेशन, एन राजा उर्फ वल्लियप्पन और मीनाक्षी फार्मा के एके राणा को आरोपी बनाया गया है। इन पर बड़ी दवा कंपनियों के नाम पर नकली और स्प्यूरियस दवाओं के निर्माण तथा देशभर में उनकी सप्लाई करने का गंभीर आरोप है।

जांच एजेंसियों के मुताबिक आरोपी लूपिन कंपनी सहित कई प्रतिष्ठित फार्मा कंपनियों के नाम और ब्रांड का इस्तेमाल कर नकली दवाएं तैयार कर रहे थे। इन दवाओं को असली पैकिंग जैसी डिजाइन में बाजार में उतारा जाता था, जिससे मरीजों और मेडिकल कारोबारियों को धोखा दिया जा सके।

आगरा के साथ मथुरा में भी मच गई खलबली

72 करोड़ रुपये की नकली दवाओं की बरामदगी से लोग हैरान

नकली दवा खाएंगे तो कैसे स्वस्थ्य होंगे

सूत्रों के अनुसार मामले की तह तक पहुंचने के लिए जल्द ही सीबीआई की टीम आगरा आ सकती है। यहां पहले से दर्ज मामलों तथा गिरफ्तार आरोपियों और जब्त दवाओं से जुड़े दस्तावेजों की जांच की जाएगी। गौरतलब है कि 72 करोड़ रुपये की नकली दवाओं की बरामदगी के मामले में ईडी ने भी कार्रवाई तेज कर दी है। प्रवर्तन निदेशालय ने पुलिस, एसटीएफ और औषधि विभाग से अब तक दर्ज मुकदमों, गिरफ्तार आरोपियों, जब्त माल और आर्थिक लेनदेन की पूरी रिपोर्ट मांगी है। एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि नकली दवा कारोबार से अर्जित रकम कहां–कहां निवेश की गई और इस नेटवर्क से कौन–कौन जुड़े हैं। अब सीबीआई और ईडी की एंट्री के बाद माना जा रहा है कि नकली दवा सिंडिकेट से जुड़े कई बड़े नाम जांच के दायरे में आ सकते हैं।

धरोहर

कभी गुलजार था जैन संग्रहालय, अब बदहाली की ओर

अब विरासत की दीवारों पर दिखने लगी दरारें

यूनिक समय, मथुरा। ब्रिटिश शासनकाल में वर्ष 1850 में बनी मथुरा तहसील स्थित एक ऐतिहासिक इमारत आज भी अपनी भव्यता और ऐतिहासिक पहचान के कारण लोगों को आकर्षित करती है, लेकिन समय के साथ इस धरोहर पर किसी ने ध्यान नहीं दिया तो बदहाली का शिकार हो सकती है। इसी भवन में स्थित राजकीय जैन संग्रहालय वर्षों पुरानी जैन प्रतिमाओं और दुर्लभ ऐतिहासिक अवशेषों को संजोए हुए है, लेकिन इमारत की हालत और रखरखाव की कमी अब चिंता का विषय बनती जा रही है। स्थानीय लोगों और संग्रहालय को देखने आए लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इसकी मरम्मत और संरक्षण नहीं कराया गया तो यह ऐतिहासिक धरोहर धीरे–धीरे अपनी

पहचान खो सकती है। मथुरा तहसील परिसर स्थित यह इमारत ब्रिटिशकालीन वास्तुकला का अनूठा उदाहरण मानी जाती है। मोटी दीवारें, ऊंची छतें और पुरानी शैली का निर्माण आज भी लोगों को इतिहास की याद दिलाता है। इसी इमारत में स्थापित राजकीय जैन संग्रहालय में प्राचीन जैन मुनियों की प्रतिमाएं, शिलालेख और दुर्लभ मूर्तियां रखी गई हैं, जिन्हें देखने के लिए पर्यटक और श्रद्धालु पहुंचते थे। संग्रहालय में तैनात कर्मचारी विजय पाल सिंह ने बताया कि पहले स्थानीय लोगों के साथ बाहर से आने वाले श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में संग्रहालय देखने आते थे, लेकिन अब आगंतुकों की संख्या कम हो गई है। उन्होंने बताया कि पहले परिवार और छात्र यहां आकर इतिहास और संस्कृति को करीब से देखते थे तथा अपनी पुरानी यादों को ताजा करते थे। लेकिन अब संग्रहालय में पहले जैसी रौनक दिखाई नहीं देती। उनका कहना है कि यदि भवन की मरम्मत कराकर संग्रहालय को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ा जाए तो यहां फिर से लोगों की भीड़ लग सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इमारत के कई हिस्सों में पुरानापन साफ दिखाई देता है। जगह–जगह दीवारों पर नमी और टूट–फूट के निशान दिखाई देने लगे हैं। यह भवन फिर से शहर की प्रमुख ऐतिहासिक पहचान बन सकता है। जैन धर्म और संस्कृति का प्राचीन केंद्र रहा है। यहां मौजूद दुर्लभ प्रतिमाएं और पुरातात्विक धरोहरें देश की सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। बनी यह ऐतिहासिक इमारत और उसमें स्थित राजकीय जैन संग्रहालय आज भी मथुरा की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को जीवित रखे हुए हैं। अब लोगों की नजर इस बात पर टिकी है कि आखिर इस ऐतिहासिक भवन की मरम्मत कब कराई जाएगी, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी मथुरा की इस अनमोल धरोहर को करीब से देख सकें।

मथुरा में जिंदगी की जंग जीत रहे 'आसमान के प्रहरी'

घायल सारस और गर्मी से बेहाल फ्लेमिंगो को मिला नया जीवन

वन विभाग, सेना और वाइल्डलाइफ एसओएस की सतर्कता से बची दो दुर्लभ पक्षियों की जान

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। भीषण गर्मी और मानवीय गतिविधियों के बढ़ते खतरे के बीच दो दुर्लभ और महत्वपूर्ण पक्षियों की जिंदगी बचाने का सराहनीय अभियान कार्य सामने आया है। उत्तर प्रदेश वन विभाग और वाइल्डलाइफ एसओएस की संयुक्त कार्रवाई में एक गंभीर रूप से घायल सारस क्रेन और गर्मी व निर्जलीकरण से पीड़ित एक फ्लेमिंगो (राजहंस) को अलग-अलग स्थानों से सुरक्षित रेस्क्यू कर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। दोनों पक्षियों का फिलहाल वाइल्डलाइफ एसओएस की ट्रांजिट फैसिलिटी में उपचार चल रहा है।

पक्षी का इलाज करते विशेषज्ञ।

जानकारी के अनुसार लक्ष्मी नगर क्षेत्र स्थित एक खेत में किसानों ने एक सारस क्रेन को घायल अवस्था में देखा। पक्षी की हालत गंभीर थी, जिसके बाद किसानों ने तुरंत वन विभाग को सूचना दी। वन विभाग की सूचना पर वाइल्डलाइफ एसओएस की रैपिड रिस्पांस यूनिट मौके पर पहुंची और सारस को सुरक्षित रेस्क्यू किया। जांच में सामने आया कि सारस का दाहिना पंख तार की फेंसिंग में फंस गया था, जिससे उसके पंख की हड्डी गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गई।

फिलहाल उसके घाव भर चुके हैं। लेकिन पंख को हुए भारी नुकसान के कारण इलाज अभी जारी है। विशेषज्ञ लगातार उसकी निगरानी कर रहे हैं और उचित समय आने पर उसे प्राकृतिक आवास में छोड़ने की संभावना पर निर्णय लिया जाएगा।

छावनी क्षेत्र में एक फ्लेमिंगो उड़ने में असमर्थ हालत में मिला। सेना के जवानों ने संवेदनशीलता दिखाते हुए पक्षी को तुरंत वन विभाग कार्यालय पहुंचाया जहां प्रारंभिक उपचार के बाद उसे वाइल्डलाइफ एसओएस अस्पताल भेज दिया गया। चिकित्सकीय जांच में फ्लेमिंगो के शरीर पर बाहरी चोट के निशान नहीं मिले, लेकिन वह अत्यधिक तापमान, लू और गंभीर निर्जलीकरण से पीड़ित पाया गया। पक्षी को लगातार पानी, पोषण और मल्टीविटामिन सप्लीमेंट दिए जा रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार फ्लेमिंगो अभी छोटा है, इसलिए उसे विशेष देखभाल और निरंतर निगरानी की आवश्यकता है।

वाइल्डलाइफ एसओएस के सह-संस्थापक और सीईओ कार्तिक सत्यनारायण ने उत्तर प्रदेश वन विभाग, किसानों और सेना कर्मियों की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सतर्कता के कारण ही इन पक्षियों की जान बचाना संभव हो पाया।

वाइल्डलाइफ एसओएस के डायरेक्टर कंजरवेशन प्रोजेक्ट्स बैजू राज एमवी ने कहा कि इस तरह के रेस्क्यू अभियान यह साबित करते हैं कि यदि किसान, सेना और आम नागरिक समय रहते जिम्मेदारी निभाएं तो वन्यजीवों की रक्षा संभव है।

भूमि विवाद में डायट को हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत

यूनिक समय, मथुरा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) की बहुमूल्य भूमि और भवन को लेकर करीब तीन दशक से चल रहे विवाद में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। न्यायमूर्ति विकास बुधवार की एकलपीठ ने सिविल अपील संख्या-72/2019 को पुनः बहाल करते हुए अधीनस्थ अदालतों के 8 नवंबर 2023, 21 फरवरी 2024, 6 अप्रैल 2024 और 24 मई 2024 के सभी आदेशों को निरस्त कर दिया है। मामले की शुरुआत वर्ष 1996 में राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद और डायट मथुरा द्वारा दायर वाद संख्या-67/1996 से हुई थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि मथुरा-आगरा हाईवे स्थित राधा जूनियर हाई स्कूल की भूमि, जो 1958 के विक्रय विलेख से दीक्षा विद्यालय को हस्तांतरित हुई थी, अब राज्य सरकार के अधीन डायट संस्थान के रूप में विकसित है, लेकिन सोसायटी के लोग उस पर अवैध कब्जे का प्रयास कर रहे हैं। वर्ष 2000 में निचली अदालत ने डायट के पक्ष में अंतरिम निषेधाज्ञा जारी की थी। हालांकि 2019 में सिविल कोर्ट ने मूल वाद खारिज कर दिया, जिसके खिलाफ अपील दायर की गई। अपील लंबित रहते हुए प्रबंधक हरस्वरूप सिंह की मृत्यु के बाद प्रतिनिधि प्रतिस्थापन को लेकर विवाद हुआ और 24 मई 2024 को अपील खारिज कर दी गई थी। अब हाईकोर्ट ने उस आदेश को रद्द कर डायट को बड़ी राहत दी है।

सीएमओ के निर्देशन में पड़े छापे

अपंजीकृत चिकित्सकों को नोटिस, दो क्लीनिक सील

स्वास्थ्य विभाग की टीम एक अस्पताल में जांच करते हुए।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। सीएमओ डॉ. राधावल्लभ के निर्देशन में नोडल अधिकारी डॉ. बीडी गौतम ने अपंजीकृत चिकित्सकों को नोटिस देते हुए दो क्लीनिकों को सील किया। विज्ञप्ति के अनुसार डॉ. राज क्लीनिक एवं मेडिकल स्टोर मे संचालक द्वारा मरीज को बोतल चढ़ाते हुए एवं इलाज करते हुए पाया गया। टांके लगाने संबंधी उपकरण एवं अन्य सामान भी पाया गया। डॉ. वीके शर्मा क्लीनिक एवं शिव देवी मेडिकल स्टोर परिक्रमा मार्ग वृंदावन पर भी टीम पहुंची।

नौहझील स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतर्गत सुरीर में अवैध रूप से संचालित जीवन ज्योति हॉस्पिटल एवं जच्चा बच्चा केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी की टीम ने संयुक्त रूप से पुलिस की उपस्थिति में सील किया। स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई से अपंजीकृत चिकित्सकों में खलबली मच गई। हैरानी की बात तो यह रही है कि ऐसे डाक्टर टीम पहुंचने से पहले अपनी क्लीनिकों को बंद कर चले गए। इसके पीछे की वजह सामने आई कि टीम में शामिल कुछ कर्मचारियों ने उनको पहले ही सूचना दे दी। लोगों का कहना है कि यदि स्वास्थ्य विभाग ईमानदारी से अपने काम को अंजाम दे तो अपंजीकृत चिकित्सकों और क्लीनिकों पर ताले पड़ जाएंगे।

लाइफ लाइन हॉस्पिटल के खिलाफ एफआईआर के आदेश

फर्जी प्रेगनेंसी रिपोर्ट का डर दिखाकर ऑपरेशन के मांगे 30 हजार

यूनिक समय, कोसीकलां। कोसीकलां के लाइफ लाइन हॉस्पिटल के खिलाफ कोर्ट ने एफआईआर करने के आदेश दिए हैं। माला फर्जी रिपोर्ट देकर मौत का डर दिखा कर महिला के ऑपरेशन के लिए 30 हजार रुपये मांगने का है।

निघि पत्नी गणेश के पेट में दर्द की शिकायत हुई सात अप्रैल को महिला को इलाजे के लिए लाइफ लाइन हॉस्पिटल में लाया गया। हॉस्पिटल की डॉक्टर सीमा अग्रवाल ने अल्ट्रासाउंड कराया। रिपोर्ट में डॉक्टर ने (मोलाकप्रेगनेनसी) बताते हुए ढाई माह का बच्चा भी बताया। बच्चे के पैर नहीं थे। डाक्टरों ने तुरंत निधि की जान को खतरा बताते हुए ऑपरेशन करने के लिए कहा। ऑपरेशन के लिए तीस हजार रुपये भी मांगे गए। पति ने इस पर आठ अप्रैल को शैल सुधा अल्ट्रासाउंड केंद्र पर दोबारा निधि का अल्ट्रासाउंड कराया। इसके बाद पत्नी को राधेश्याम मल्टी स्पेशियलिटी की डॉक्टर आरती गुप्ता को दिखाया। डॉक्टर गुप्ता ने निधि को प्रेगनेंट होना नहीं बताया। इस पर पीड़ित ने लाइफ लाइन हॉस्पिटल के खिलाफ अधिकारियों को शिकायत करते हुए कार्रवाई करने का अनुरोध किया, लेकिन किसी ने इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की। परेशान होकर उसने कोर्ट का सहारा लिया। कोर्ट ने पुलिस को इस मामले में एफआईआर कर कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं।

तापमान / मौसम

34 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

22 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,47,790
22 कैरेट 1,40,750
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,66,112 प्रति किलो

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

खूंखार हो गए बंदर, श्वान हो रहे हमलावर

बंदर और श्वान के आतंक से लोग परेशान, बढ़े हादसे

यूनिक समय, मथुरा। थाना फरह क्षेत्र के गांव पींगरी के रहने वाले अमर सिंह बीती 26 अप्रैल को घर की छत पर बेटी की शादी के लिए गेहूं सुखाने गए। इसी दौरान आए बंदरों ने उनको डराया, वह घबराकर संतुलन खो बैठे और छत से गिर गए। एसएन मेडिकल कालेज में उपचार के दौरान दूसरे दिन मौत हो गई। वहीं, थाना रिफाइनरी के गांव भैंसा निवासी श्याम को बंदरों ने रास्ते में आते समय पकड़ लिया। दांतों से काट लिया, हाथ में सात टांके लगाने पड़ गए।

यह चंद घटनाएं केवन बानगी हैं। गांव, कस्बा और शहर में कई ऐसे स्थान हैं, जहां बंदर रोज लोगों पर हमला करते है। शहर के अलावा कस्बों और गांवों में बंदरों की अनुमानित संख्या 30 हजार से अधिक है। बस अड्डों, रेलवे स्टेशन समेत अन्य सार्वजनिक स्थलों पर भी बंदरों का बसेरा है। वन विभाग के पास भी शिकायतें पहुंच रहीं हैं, लेकिन वह इसे नगर निकाय की जिम्मेदारी बता कर पल्ला झाड़ लेता है। कुत्तों (श्वान) का आतंक इतना है कि वह सड़क चलते दुपहिया वाहनों के पीछे भागते हैं। ऐसे में कई बार तो वाहन चालक हादसे का शिकार हो जाते हैं। अंधेरा होने के बाद यह बाइक सवारों के पीछे पड़ जाते हैं। घुड़की दिखाकर लोगों को डराने वाले बंदर अब खूंखार हो गए हैं। बंदरों के ऐसे आतंक से बचने के लिए लोगों ने मकानों को लोहे की जालियों कवर करा लिया है।

इलाज दे रहा दर्द

जिला अस्पताल और अन्य सीएचसी के आंकड़े देखें तो बंदर और कुत्तों (श्वान) के काटने से जख्मी करीब 600 पीड़ित रोज एंटी रैबीज वैक्सीन लगवाने पहुंच रहे हैं। सरकार को करीब 70 लाख रुपये हर साल वैक्सीन पर खर्च करने पड़ रहे हैं।

यहां भी बंदर

बंदरों से गांव ही नहीं, कस्बा और शहर में रहने वाले लोग भी परेशान हैं। शहर के चौबिया पाड़ा, सदर बाजार, अंतापाड़ा, औरंगाबाद के अलावा अन्य स्थानों पर बंदर हैं। फरह के अलावा कुरकंदा, पींगरी,महुअन, दीनदयाल धाम, रैपुराजाट समेत कई गांवों में बंदरों का आतंक है।

ग्रामीणों की बात

विष्णु का कहना है कि बंदरों की वजह से अब छत पर जाना नहीं होता है। पता नहीं कब बंदर अचानक हमला कर दें।

जगदीश ने बताया कि बंदरों ने अब तक कई लोगों को घायल कर दिया है। वन विभाग से शिकायत की गई, कुछ नहीं हुआ।

सतीश का कहना है कि सरकार को मंकी बंदर सफारी की योजना पर काम करना चाहिए, जिससे जनहानि नहीं होगी।

कैलाश बताते हैं कि बंदरों के अलावा श्वान भी समस्या बन रहे हैं। हर दिन बंदर और श्वान हमलाकर लोगों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

भूख से होते हैं हमलावर

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी नरेंद्र नारायण शुक्ला ने बताया कि चिड़चिड़ापन हर प्राणी में होता है। मौसम और पर्यावरणीय असंतुलन भी इसकी वजह है। कुत्ते और बंदर भी इससे ग्रस्त होते हैं। भूख की वजह से बंदर और कुत्तों में तनाव बढ़ रहा है। आबादी में खाना नहीं मिल रहा। इस कारण हमलावर हो रहे हैं।

भाजपा नेता को गोली मारने की घटना से लोगों में दहशत

यूनिक समय, मथुरा। पानीगांव से बाइक पर वृंदावन लौटते भाजपा नेता को बीती रात पानीगांव पुल पर अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी। गोली भाजपा नेता के सीने में लगने से आज भी उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। पुलिस गोली मारने वालों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है। घटना से इलाके मे दहशत का माहोल है। भाजपाइयों ने घटना पर आक्रोश जाहिर किया है।

वृंदावन की कोतवाली क्षेत्र के बनखंडी के व्यास घेरा में रहने वाले भाजपा नेता पप्पी गोस्वामी को कल रात पानी गांव की ओर से लौटने के दौरान हमलावरों ने गोली मार दी थी। गोली सीने में लगने से उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। उनका इलाज सिटी अस्पताल में चल रहा है। भाजपा नेता के साथ हुई घटना से इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है।

सीने में गोली लगने से हालत नाजुक

भाजपाइयों द्वारा घटना पर जताया गया आक्रोश

भाजपा के लोगों में घटना को लेकर आक्रोश है। पुलिस भाजपा नेता द्वारा घायलावस्था में संयुक्त चिकित्सालयल में दी गई जानकारी के आधार पर, प्रोपर्टी को लेकर भाजपा नेता का जिन लोगों से विवाद है उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश देकर उन्हें गिरफ्तार करने में लगी है। घटना के बाद से काफी लोग पुलिस की गिरफ्तारी के डर से अपने घरों को छोड़ कर अंडर ग्राउंड हो गए हैं। पुलिस घटना स्थल के आस–पास के सीसी टीवी भी खंगाल रही है जिससे घटना करने वालों कौन है इसकी सही जानकारी हो सके।

राजस्थान रोडवेज चालक की इलाज के दौरान मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र में राजस्थान रोडवेज के बस चालक को एक व्यक्ति घर से साजिश के तहत बुलाकर ले गया और साथियों के सहयोग से चालक के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया। घायल की इलाज के दौरान आज अस्पताल में मौत हो गई।

थाना हाईवे के प्रभुनगर (लाजपत नगर) में रहने वाले देवेंद्र सिंह राजस्थान रोडवेज के लोहागढ़ डिपो में चालक की सर्विस करते थे। बताया गया कि उन्हें प्रभुनगर निवासी दानवीर जो प्रभुनगर में ही रहता है। साजिश के तहत नौ अप्रैल को घर से बुलाकर ले गया था। महोली रोड पर एचडीएफसी बैंक के समीप आरो प्लांट के निकट निर्माणाधीन मकान पर दानवीर ने अपने साथियों के साथ मिलकर जान से मारने की नियत से मारपीट की, जिससे देवेद्र सिंह गंभीर रूप से घयाल हो गए। इस मामले में दानवीर सिंह सहित चार नामजदों और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ थाना हाईवे में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। घायल चालक का फरीदाबाद में इलाज चल रहा था। आज उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। है। हत्या के प्रयास के मामले में एक अभियुक्त जेल में है। पुलिस इस मामले में शामिल अन्य आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। यह मामला अब हत्या के प्रयास से हत्या में तरमीम हो गया है।

घर से बुलाकर ले जाने के बाद चालक से की थी मारपीट

फरीदाबाद के अस्पताल में चल रहा था इलाज

डीआईजी ने 16 निरीक्षकों के किए स्थानांतरण

यूनिक समय,मथुरा। आगरा रैंज की डीआईजी शैलेश कुमार पांडेय ने 16 निरीक्षकों के स्थानांतरण किए है। इसमें मथुरा जनपद से 10 निरीक्षकों के नाम शामिल हैं। इनका जनपद में कार्यकाल पूरा हो चुका है। डीआईजी शैलेश कुमार पांडेय ने मथुरा में तैनात भगवत सिंह गुर्जर, राजकुमार, जगदम्बा सिंह, जसवीर सिंह, संजय कुमार, रवि त्यागी को फिरोजाबाद, रविभूष्ण शर्मा, राम अवध यादव, राजीत वर्मा व सुधीर सिंह को मैनपुरी के लिए स्थानांतरित किया है। तेजवीर सिंह व अंजीस कुमार सिंह को फिरोजाबाद से मथुरा, संतोष कुमार को फिरोजाबाद से मथुरा, मैनपुरी से सैयद मोहम्मद अहमद, सिरोजनी देवी को मैनपुरी से मथुरा, सुभाषचंद्र को मैनपुरी से फिरोजाबाद के लिए ट्रांसफर किया है। इस बारे में इन जनपदों के एसएसपी व एसपी को आदेश का अनुपालन करने के निर्देश भी जारी किए हैं।

बाइक चोर गिरफ्तार, दो बाइक बरामद

यूनिक समय, मथुरा। बरसाना पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक युवक को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने एक और चोरी की बाइक बरामद की है। बरसाना पुलिस ढबाला-उंचागांव रोड पर वाहन चेकिंग कर रही थी। पुलिस ने नगर पंचायत के कूड़ा घर के समीप बाइक से जाते एक युवक को पकड़ लिया। पुलिस ने युवक से बाइक के कागजात मांगे। पुलिस को देख युवक घबरा गया। पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो उसने बताया कि बाइक चोरी की है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त गजेंद्र निवासी गांव गहलव थाना वहीन जिला पलवल हरियाणा है। पुलिस को गजेंद्र ने एक और चोरी की बाइक भी बरामद कर दी।

कहीं बूंदाबांदी तो कहीं गरजे बादल

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार को भी मौसम ने लोगों गर्मी से राहत दे दी। कहीं बूंदाबांदी हुई तो कहीं आसमान पर छाए बादल राहत देते रहे। बयार ने भी धूप के तेज पर अंकुश लगा दिया। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में आसमान साफ रहने का पूर्वानुमान जताया है। सुबह अधिकांश जिले में बादल छाए रहे। शीतल बयार लोगों को राहत देती रही। मौसम साफ होने के बाद धूप निकल आई। शाम होने तक धूप खिली रही, लेकिन इससे लोगों को परेशानी नहीं हुई। वहीं, सुबह करीब 10 बजे फरह और आसपास के क्षेत्र में आसमान पर काले बादल छाए गए। आकाशीय गर्जना के साथ आसमान से मोटी– मोटी बूंदें बरसीं। यहां दोपहर से पहले दो– तीन बार बूंदाबादी होने से मौसम सुहावना हो गया। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, आगामी दिनों में मौसम साफ रहेगा, अधिकतम तापमान बढ़ सकता है, आसमान पर बीच–बीच में बादल छाए रहेंगे।

प्रधानों ने खींचे हाथ और सुस्त हुई मनरेगा की चाल

यूनिक समय, मथुरा। गांवों की सरकार का कार्यकाल इसी माह पूरा हो रहा है। समय नहीं बढ़ने की सुगबुगाहट के बीच प्रधानों ने मनरेगा से हाथ खींच लिए हैं। इसके चलते जिले की चंद ग्राम पंचायतों में ही मनरेगा से जुड़े काम कराए जा रहे है। सबसे ज्यादा काम बल्देव ब्लॉक की ग्राम पंचायतों में हो रहे हैं, जबकि छाता और फरह समेत कई अन्य ब्लाक की एक–दो ग्राम पंचायतों में ही मनरेगा के काम कराए जा रहे हैं।

जिले की 495 ग्राम पंचायतों में से केवल अब 43 में ही चल रहे हैं काम

बल्देव में 26, छाता में एक और फरह की दो पंचायतों में हो रहे काम

जनपद के 10 ब्लॉक में 495 ग्राम पंचायतें हैं, जहां मनरेगा योजना से कच्चे और पक्के काम कराए जाते हैं। शुक्रवार को विभागीय बेवसाइट से लिए गए आंकड़ों के अनुसार, जिले की इन ग्राम पंचायतों में से केवल 43 में ही मनरेगा से जुड़े कच्चे काम कराए गए, जब ?कि अन्य ग्राम पंचायतों में कोई काम नहीं होने से मजदूर बेरोजगार दिखे। इन 43 ग्राम पंचायतों में बल्देव ब्लॉक की 26, छाता की एक, फरह की दो, गोवर्धन की पांच, मांट की दो, नंदगांव की दो, नौहझील की दो और राया की तीन ग्राम पंचायतें शामिल हैं।

मनरेगा से काम कराने वाली इन ग्राम पंचायतों में 108 मस्टरोल जारी किए गए, जबकि 611 मजदूरों को काम मिला। सबसे ज्यादा मजदूरों को काम देने में बल्देव ब्लॉक आगे रहा, जहां 264 मजदूर को मनरेगा में काम मिला। वही, गोवर्धन ब्लॉक की ग्राम पंचायतों में 176, मांट की ग्राम पंचायतों में 73 मजदूरों को काम मिल सका। विभागीय जानकारों का कहना है कि गांवों से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का नाम लगभग मिट गया है। रोजगार उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी निभाने वाले ग्राम प्रधानों ने काम कराना बंद कर दिया है। स्थिति इतनी गंभीर है कि पिछले तीन महीनों से हजारों मजदूर एक दिन का भी काम नहीं पा रहे हैं। ऐसी चर्चा है कि ग्राम प्रधान काम कराने के बजाय भुगतान पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। मनरेगा के तहत कच्चे काम जैसे सड़क, नाली, खड़ंजा निर्माण और अन्य निर्माण कार्य कराए जाते हैं। ग्राम पंचायतों का कार्यकाल नहीं बढ़ने और चुनाव की संभावना नजर नहीं आने से ग्राम प्रधानों ने नए काम स्वीकृत कराने की प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। ऐसा माना जा रहा है कि अब सारा ध्यान पुराने भुगतानों को निपटाने और चुनावी प्रबंधन पर है। डीसी मनरेगा विजय कुमार पांडेय का कहना है कि 171 ग्राम पंचायतों में गूल खोदाई, तालाब सुंदरीकरण जैसे काम कराए जा रहे हैं। करीब 12 सौ मजदूरों को रोजगार मिल रहा है।

पक्के काम भी हो गए ठप

मनरेगा के साथ–साथ पंचायतों में चल रहे पक्के विकास कार्य भी पूरी तरह से ठप हो चुके हैं। पक्के कार्यों के मद में कई करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान बकाया है। जानकारों का दावा है कि भुगतान न मिलने के कारण ठेकेदारों ने पंचायतों को सामग्री की आपूर्ति बंद कर दी है। इसी की वजह से कई निर्माण कार्य रुक गए, जिससे बड़ी संख्या में मजदूर बेरोजगार हो गए हैं।

वात्सल्य ग्राम का 24वां स्थापना दिवस मनाया

सेवा, संस्कार एवं राष्ट्रभक्ति को जीवन का आधार बनाओ

वात्सल्य ग्राम के स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह के शुभारंभ पर दीदी मां साध्वी ऋतंभरा, जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल, गन्ना विकास मंत्री चौ. लक्ष्मीनारायण, पूर्व मंत्री रविकांत गर्ग एवं महापौर विनोद अग्रवाल।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। वात्सल्य, सेवा एवं संस्कारों की पावन भावना को समर्पित वात्सल्य ग्राम का 24 वां स्थापना दिवस मनाया गया।

जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल एवं यूपी मंत्री चौ. लक्ष्मीनारायण भी हुए शामिल

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल, यूपी के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी थे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्रपट के सामने दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। छात्राओं ने वंदना नृत्य प्रस्तुति की।

समविद् गुरुकुलम् बालिका सैनिक स्कूल, कृष्णा ब्रह्म रतन विद्या मन्दिर की वैशिष्ट्म की छात्राओं ने प्रस्तुत "संस्कारम" की विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुति ने भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों एवं राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय कवि विनीत चौहान ने"भारत गौरव गाथा" का मंचन किया। हिंदी भाषा एवं शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को हिंदी ओलंपियाड सम्मान के अंतर्गत ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मान प्राप्त शिक्षकों ने इसे अपने जीवन का प्रेरणादायी क्षण बताया। पदम विभूषण दीदी माँ साध्वी ऋतंभरा ने सेवा, संस्कार एवं राष्ट्रभक्ति को जीवन का आधार बताते हुए युवाओं से भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं मानवता की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में महामौर विनोद अग्रवाल, आचार्य बद्रीश, डॉ. मनोज मोहन शास्त्री, पूर्व मंत्री रविकान्त गर्ग, महेश खण्डेलवाल, परम शक्ति पीठ के राष्ट्रीय सचिव संजय भैया, समविद की डायरेक्टर सुमनलता, जय भगवान अग्रवाल, अरुण शर्मा, कमाण्डेड ब्रज मोहन पाठक, ओम प्रकाश बंसल, महामण्डलेश्वर चित्त प्रकाशानन्द, वेदानद, स्वामी सत्यानन्द गिरि आदि उपस्थित थे। संचालन श्रीमती राधिका राजपूत ने किया।

स्कूल बैग मिलते ही बच्चों के चेहरों पर दिखी खुशी

बच्चों को बैग वितरित करते समाजसेवी बबलू सोनी।

यूनिक समय, बल्देव। विकास खंड बल्देव के गांव अवेरनी स्थित प्राथमिक विद्यालय गांधी बेरनी में समाजसेवी बबलू सोनी द्वारा विद्यालय में नामांकित सभी बच्चों को अपनी तरफ से बैग वितरित कर मिष्ठान बांटा गया। बैग मिलते ही स्कूली बच्चों के चेहरों पर अलग ही खुशी दिखाई दे रही थी। इस अवसर पर 101 बच्चों को बैग वितरित किए गए। समाजसेवी बबलू सोनी ने बच्चों से मन लगाकर पढ़ने एवं नियमित विद्यालय आने की अपील की। विद्यालय के भौतिक एवं शैक्षिक वातावरण को देखकर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की तथा विद्यालय के स्टाफ की सराहना की। विद्यालय के समस्त स्टाफ एवं बच्चों ने समाजसेवी बबलू सोनी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर योगेंद्र कुमार गौतम प्रधानाध्यापक एवं रश्मि अग्रवाल, रीना देवी, परमवीर सिंह, सरिता पचौरी, मोहम्मद रिजवान, श्यामवीर सिंह, संजीव कुमार एवं गीता देवी सभी शिक्षकों सहित एसएमसी अध्यक्ष दिलीप सिंह उपस्थित रहे।

बैकयार्ड पोल्ट्री योजना में जिले को मिला 200 इकाई स्थापना का लक्ष्य

यूनिक समय, मथुरा। अनुसूचित जाति की आर्थिक रूप से निर्वल वर्ग की महिलाओं के लिए यह समाचार खुशी देगा। शासन ने जिले को बैकयार्ड पोल्ट्री योजना के अंतर्गत 200 इकाइयां स्थापना का लक्ष्य जारी किया है। योजना के लिए लाभार्थियों का चयन ब्लाक स्तर पर किया जाएगा।

यह जानकारी सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने दी है। उन्होंने बताया कि बैकयार्ड पोल्ट्री योजना के अंतर्गत जिले में 200 इकाइयों की स्थापना किये जाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। योजना के लिए लाभार्थियों का चयन विकास खंड स्तर पर संबंधित पशु चिकित्साधिकारी, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी करेंगे। इसके बाद जनपद स्तरीय चयन समिति द्वारा चयन को अंतिम रूप दिया जाएगा।

सीडीओ ने बताया कि लाभार्थियों के चयन के लिए ग्राम प्रधान द्वारा प्रदत्त चयनित सूची का परीक्षण संबंधित पशुचिकित्साधिकारी और पोल्ट्री कार्यक्रम अधिकारी करेंगे। योजना के लाभार्थी अनुसूचित जाति की आर्थिक रूप से निर्वल वर्ग की महिला होंगी। सीडीओ ने बताया कि महिला लाभार्थियों का चयन ग्राम स्तर पर जिस ग्राम प्रधान द्वारा प्रस्तावित किया गया हो महिला लाभार्थी उसी ग्राम की निवासी हो। लाभार्थी के पास स्वयं के रहने की व्यवस्था हो, लाभार्थी की कुक्कुट पालन में रुचि हो और और उसके पास स्वयं का बैंक खाता है। उन्होंने बताया कि योजना के लिए हर विकास खंड से 20 निर्बल वर्ग की महिला लाभार्थी चयन किया जाएगा। प्रत्येक लाभार्थी द्वारा जाति प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक, आधार कार्ड की छायाप्रति संबंधित पशुचिकित्सालय पर जमा कराना अनिवार्य होगा। प्रति इकाई तीन हजार रुपये का पैकेज है।

नौकरी दिलाने के नाम पर युवती से दुष्कर्म

दिल्ली का आरोपी वृन्दावन से गिरफ्तार

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृन्दावन। कोतवाली पुलिस ने नौकरी दिलाने के बहाने एक युवती के साथ दुष्कर्म करने वाले वांछित आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी का नाम पीतमपुरा, दिल्ली निवासी हर्ष गिरधर बताया जा रहा है।

पुलिस गिरफ्त में दुष्कर्म का आरोपी।

पुलिस ने बताया कि आरोपी हर्ष गिरधर करीब तीन माह पूर्व एक युवती को वृन्दावन में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाया था। आरोप है कि उसने यहां एक गेस्ट हाउस में आरोपी ने युवती के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद पीड़िता ने दिल्ली के मंडावली थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। चूंकि मामला वृन्दावन कोतवाली क्षेत्र का था इसलिए करीब एक माह पूर्व केस यहां ट्रांसफर किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी के निर्देश पर वृन्दावन पुलिस ने टीम गठित की। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए आरोपी हर्ष गिरधर को पानीघाट तिराहे के समीप से घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को पकड़ने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार पांडेय, हेड कांस्टेबल जिनेन्द्र यादव, हेड कांस्टेबल रितेश कुमार और कांस्टेबल नितिन मलिक शामिल थे।

धनगर समाज के मेधावियों का पुरस्कार वितरण 17 को

यूनिक समय, मथुरा। मिशन परिवर्तन धनगर समाज ने जिले के धनगर समाज के मेधावी छात्र–छात्राओं को 17 मई को सम्मानित करने का निश्चय किया है। प्रदेश अध्यक्ष राधेलाल धनगर के आवास पर संरक्षक मुरारी लाल धनगर की अध्यक्षता में हुई बैठक में संगठन मंत्री रामप्रसाद धनगर ने बताया कि सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यूपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंकों वाले तथा अन्य बोर्ड में 80 प्रतिशत से अधिक, उच्च शिक्षा में 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले तथा अन्य स्पर्धा में जिला स्तरीय मैडल व प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 17 मई को नवादा स्थित विनायक पैलेस में प्रातः 10 बजे से कार्यक्रम शुरू होगा।

रजिस्ट्री कार्यालय अब रविवार को भी खुलेंगे

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। वित्तीय वर्ष 2026–27 में राजस्व लक्ष्य की निरंतर प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए डीएम सीपी सिंह के निर्देश पर जिले के सभी उप–निबंधक कार्यालय अब आगामी आदेश तक रविवार के सार्वजनिक अवकाश में भी सामान्य कार्यदिवस की तरह खुले रहेंगे। एआईजी स्टाम्प अर्पिता शर्मा पाण्डेय ने जानकारी दी है कि जनपद के सभी उप–निबंधकों को स्पष्ट रूप से कहा गया है कि प्रत्येक रविवार को कार्यालय खोलकर आम नागरिकों द्वारा प्रस्तुत प्रलेखों का अधिक से अधिक पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे लोगों को सुविधा मिले और राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति में तेजी लाई जा सके। इस निर्णय से अब संपत्ति रजिस्ट्रेशन सहित अन्य कार्यों के लिए लोगों को सप्ताह के सातों दिन सुविधा मिलेगी, जिससे लंबित कार्यों में भी तेजी आने की उम्मीद है।

केडी हॉस्पिटल ने गर्भवती महिलाओं को दी निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा की सौगात

स्वास्थ्य सेवाओं को सर्वसुलभ बनाना ही हमारा उद्देश्य : मनोज अग्रवाल

यूनिक समय, मथुरा। केडी मेडिकल कॉलेज–हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर ने ब्रज क्षेत्र की ग्रामीण और शहरी गर्भवती महिलाओं को बेहतर और सर्वसुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए सर्व सुविधायुक्त एम्बुलेंस की सौगात दी है। संस्थान के चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर तथा सर्वसुलभ बनाना है।

गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने तथा उन्हें बिना किसी परेशानी के हॉस्पिटल तक पहुंचाने का सेवाभावी निर्णय केडी हॉस्पिटल प्रबंधन द्वारा लिया गया है।

निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा को हरी झंडी दिखाते चेयरमैन मनोज अग्रवाल और अन्य।

केडी हॉस्पिटल प्रबंधन द्वारा ब्रज क्षेत्र की ग्रामीण और शहरी गर्भवती महिलाओं को जो निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराई गई है, उसकी सभी ने मुक्तकंठ से प्रशंसा की। केडी हॉस्पिटल की इस निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा से अब ब्रज क्षेत्र की प्रत्येक गर्भवती महिला को घर से अस्पताल और वापस घर तक मुफ्त परिवहन की सुविधा मिल सकेगी। इस सर्व सुविधायुक्त एम्बुलेंस में ऑक्सीजन लेवल की जांच करने वाली मशीन, डिजिटल मॉनीटर तथा अन्य आवश्यक जीवन रक्षक उपकरण मौजूद हैं, जो आपातकालीन स्थिति में काफी उपयोगी होते हैं। यह सेवा गर्भवती महिलाओं को न केवल समय पर अस्पताल पहुंचने में मदद करेगी बल्कि नवजात शिशु और मां की मृत्यु दर को कम करने में भी काफी मददगार होगी। एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाने के बाद संस्थान के चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने कहा कि जरूरतमंद गर्भवती महिलाओं को घर से ले जाने व उनकी डिलिवरी निःशुल्क करवाने के लिए यह कदम उठाया गया है। श्री अग्रवाल ने कहा कि एम्बुलेंस सुविधा से दूरदराज क्षेत्र की महिलाओं को लाभ मिलेगा। रास्ते में आपात स्थिति होने पर एम्बुलेंस में तैनात प्रशिक्षित स्टॉफ काफी हद तक स्थिति को संभाल लेगा। डीन और प्राचार्य डॉ. आरके अशोका तथा चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गगनदीप सिंह ने बताया कि अगर कोई गर्भवती महिला अस्पताल पहुंचने के लिए एम्बुलेंस सेवा का लाभ उठाना चाहती है तो उसे केडी हॉस्पिटल में मोबाइल नम्बर–7055400400 या 9520991082 पर बात करनी होगी। अगर वह खुद बात नहीं कर सकती तो वह किसी महिला तीमारदार से भी बात करा सकती है, उसे तत्काल एम्बुलेंस सेवा मुहैया कराई जाएगी। एम्बुलेंस सेवा के शुभारम्भ अवसर पर चेयरमैन मनोज अग्रवाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण अग्रवाल, केडी मेडिकल कॉलेज–हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर के डीन और प्राचार्य डॉ. आरके अशोका, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गगनदीप सिंह, केडी विश्वविद्यालय के प्रति–कुलपति डॉ. गौरव सिंह, कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल, महिला एवं प्रसूति रोग विभाग की महिला चिकित्सक, नर्सेज आदि उपस्थित रहे।

पॉलीथिन मुक्त' होगा भाजपा का जिला प्रशिक्षण शिविर

जिला प्रशिक्षण शिविर की तैयारियों को लेकर बैठक की अध्यक्षता करते भाजपा के जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय।

16–17 मई को 12 सत्रों में होगा प्रशिक्षण

जिला अध्यक्ष बोले- स्वच्छता और विचार दोनों का प्रशिक्षण देंगे

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय जनता पार्टी के 16–17 मई को संस्कृति यूनिवर्सिटी में प्रस्तावित 'दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण शिविर' को 'पॉलीथिन मुक्त' रखने का निर्णय लिया गया है। संस्कृति यूनिवर्सिटी में ही शिविर की कार्ययोजना को लेकर बैठक हुई। बैठक में वर्ग प्रभारी हेमंत शर्मा विशेष रूप से मौजूद थे।

बैठक की अध्यक्षता करते जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वच्छ भारत–सशक्त भारत' के संकल्प को धरातल पर उतारते हुए हमने निर्णय लिया है कि यह प्रशिक्षण शिविर पूर्णतः पॉलीथिन मुक्त होगा। कार्ययोजना प्रस्तुत करते हुए उन्होंने बताया कि 16 मई को शिविर का उद्घाटन वरिष्ठ नेता द्वारा किया जाएगा। जिला महामंत्री अमन ठाकुर ने कहा कि 12 सत्रों का यह प्रशिक्षण शिविर 2029 के लोकसभा चुनाव की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। बैठक में वर्ग प्रभारी हेमंत शर्मा, शिक्षण संस्थान प्रकोष्ठ की क्षेत्र संयोजक मीनाक्षी शर्मा, जिला उपाध्यक्ष अनिल चौधरी, जिला मंत्री सुरेश तरकर, भानु प्रताप सिंह, रणवीर सिंह, मनीष पाराशर, मुदिता शर्मा, भगत सिंह जादौन, विक्रम सिंह तथा नारायण पांडे आदि उपस्थित थे।

जिला मीडिया प्रभारी श्याम चतुर्वेदी ने बताया कि शिविर में मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश व क्षेत्र के वरिष्ठ नेता भाग लेंगे। 17 मई को समापन सत्र में वरिष्ठ नेता का पाथेय प्राप्त होगा।

कटरा बाजार में खानपान की ढकेलों को न लगवाया जाए

राया के व्यापारियों ने ईओ को सौपा ज्ञापन

यूनिक समय, राया (मथुरा)। कटरा बाजार में जाम की समस्या बन चुके ढकेल खोमचे खान-पान की स्टालों के खिलाफ कटरा बाजार व्यापारी संघ ने ईओ को ज्ञापन दिया। व्यापारियों ने बताया कि कटरा बाजार में एक सप्ताह पहले जाम की समस्या को लेकर नगर पंचायत ने कटरा बाजार में लगने वाली चाट पकौड़ी आदि की ढकेलों को हटवा दिया था। व्यापारी दुकानदारों का कहना है कि बाजार में ढकेल दुकानदारों की ओर से अतिक्रमण किया जा रहा है। अत्यधिक भीड़भाड़ हो जाने के कारण वहां पैदल निकलने में भी लोगों को भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। इसके साथ साथ इन ढकेलों पर गैस सिलेंडरों का प्रयोग किया जा रहा है। अगर कोई हादसा हुआ तो समस्या विकराल हो सकती है। इसको लेकर व्यापारियों ने एक ज्ञापन अधिशाषी अधिकारी शिवकुमार को दिया। ढकेलों को बाजार में नही लगवाने का अनुरोध किया। इस प्रकरण में नगर पंचायत अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल ने बताया कि जल्दी ही उच्च अधिकारियों से वार्तालाप कर इन ढकेल खोमचे वालों के लिये दुकाने लगाने के लिए जगह निर्धारित करा दी जायेगी। इस दौरान व्यापार मंडल के आलोक अग्रवाल, अनुज अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, कन्हैया लाल, संतोष त्रिपाठी, महेश काका, संजीव कुमार, मुरारीलाल, अमित अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, विनोद शर्मा तथा ललितमोहन आदि व्यापारी मौजूद थे।

राया नगर पंचायत के ईओ को ज्ञापन देते व्यापारी।

छात्रा वंशिका शर्मा का 14.56 लाख के पैकेज पर चयन

चयनित छात्रा के साथ संस्था के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल व अन्य।

बीएसए कॉलेज संस्थान में खुशी की लहर

यूनक समय, मथुरा। बाएसए कालज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी मथुरा के लिए गर्व का क्षण है, जहां एमबीए (बैच 2026) की छात्रा वंशिका शर्मा का प्रतिष्ठित कंपनी जारा एजुकेशन में 14.56 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर चयन हुआ है।

संस्थान के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल ने स्वयं वंशिका को नियुक्ति पत्र सौंपा और उनके अभिभावकों को भी सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि छात्रा की मेहनत और कॉलेज के शैक्षणिक वातावरण का परिणाम है।

वाइस चेयरमैन इं. नितिन मित्तल, निदेशक प्रो. श्याम सुन्दर अग्रवाल, एमबीए विभागाध्यक्ष गजेंद्र गर्ग तथा ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभागाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने चयनित छात्रा को बधाई दी और उज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर कॉलेज प्रबंधन ने कहा कि यह सफलता अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा है और संस्थान भविष्य में भी ऐसे उत्कृष्ट परिणाम देता रहेगा।

ट्रेनों पर पत्थरबाजी रोकने को ग्रामीणों के संग की बैठक

ट्रेनों पर पत्थर मारने की घटनाओं की रोकथाम के लिए ग्रामीणों को आगाह करते आरपीएफ के जवान।

यूनिक समय, मथुरा। ट्रेनों पर पत्थर मारने की घटनाओं की रोकथाम के लिए आरपीएफ और जीआरपी रेलवे लाइन से सहारे बने गांवों में पहुंच कर ग्रामीणों के संग बैठक कर रहे हैं। हाल ही में ताज एक्सप्रेस पर होडल के निकट लोहे का पाइप मारने से यात्री को गंभीर चोट आई थी।

आरपीएफ थाना प्रभारी निरीक्षक यूके कौशिक व जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र सिंह शुक्रवार को रिफाइनरी थाना क्षेत्र में आने वाले गांव बाद में पहुंचे। यहां उन्होंने ग्रामीणों संग बैठक कर उन्हें बताया कि ट्रेनों पर अनावश्यक रूप से पत्थर फैंकना कानून जुर्म है। ऐसा करने वाले के खिलाफ रेलवे एक्ट की धारा 152, 153 व 154 के तहत कार्रवाई होती है, जिसमें सजा का प्रावधान आजीवन करावास तक है। उन्होंने ग्रामीणों को जागरूक करते हुए कहा कि वह अपने परिवार के छोटे बच्चों को भी इसके प्रति जागरूक करें। जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र सिंह ने बताया कि हाल ही में होडल क्षेत्र में ताज एक्सप्रेस पर किसी ने लोहे के पाइप का टुकड़ा मारा था, जिससे यात्री को गंभीर चोट आई थी। उन्होंने बताया कि रेलवे लाइन के सहारे स्थित गांवों, मोहल्लों और कालोनियों में रहने वालों को ट्रेनों पर पत्थर मारने को लेकर जागरूक किया जा रहा है। ये अभियान निरंतर जारी रहेगा।

ब्रज चिकित्सा संस्थान में सेवा का नया अध्याय

रिफाइनरी के सहयोग से डायलिसिस यूनिट का आगाज

मथुरा रिफाइनरी प्रमुख और सीएमओ ने किया लोकार्पण

अब निर्धनों को नहीं भटकना होगा दिल्ली—आगरा

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा की नगरी में गरीब और असहाय मरीजों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर स्थापित हुआ है। अग्रवाल शिक्षा मंडल द्वारा संचालित ब्रज चिकित्सा संस्थान में शुक्रवार को अत्याधुनिक डालिसिस विभाग का भव्य लोकार्पण किया गया। मथुरा रिफाइनरी के विशेष सहयोग से शुरू हुई इस सुविधा के बाद अब गंभीर किडनी रोगियों को कम लागत में उच्च स्तरीय उपचार मिल सकेगा। रिफाइनरी ने बढ़ाया मदद का हाथ मथुरा रिफाइनरी ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के तहत संस्थान को इस यूनिट की स्थापना में तकनीकी और संसाधनों का महत्वपूर्ण सहयोग दिया है। मथुरा रिफाइनरी के कार्यकारी निदेशक एवं प्रमुख मुकुल अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में फीता काटकर यूनिट का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि रिफाइनरी का उद्देश्य केवल ऊर्जा प्रदान करना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। ब्रज चिकित्सा संस्थान के साथ यह साझेदारी इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। विशिष्ट अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. राधावल्लभ ने इसे ब्रज क्षेत्र के लिए किसी 'संजीवनी' से कम नहीं बताया। उन्होंने कहा कि डायलिसिस के लिए मरीजों को अब दिल्ली या आगरा के महंगे चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। अतिथियों का स्वागत तथा लोकार्पण समारोह के दौरान अग्रवाल शिक्षा मंडल के अध्यक्ष जितेंद्र अग्रवाल (मैदा वाले) और मंत्री अनुराग अग्रवाल (कसेरे) ने अतिथियों का पटुका पहनाकर और फूलों के बुके भेंट कर अभिनंदन किया। कार्यक्रम की रूपरेखा और संचालन राजेंद्र अग्रवाल (हाथी वाले) ने किया। संस्थान के चिकित्सक डॉ. राघवेंद्र चौधरी डॉ. सौरभ बंसल डॉ. जितेंद्र भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर कन्हैया लाल बजाज, प्रमोद कसेरे, महेश जी साड़ी वाले, गजानन्द जी एवं अनेक समाजसेवी व गणमान्य उपस्थित थे।

अत्याधुनिक डालिसिस विभाग के लोकार्पण अवसर पर मौजूद अतिथि और अन्य।

ब्लड प्रेशर मरीज सीमित मात्रा में ही खाएं काला नमक

यूनिक समय, मथुरा। हाई बीपी के मरीजों को काला नमक तब तक नुकसान नहीं पहुंचाता है, जब आप सीमित मात्रा में इसका सेवन करते हैं। तो आइए जानते हैं कि हाई बीपी के मरीजों को काला नमक खाने के दौरान किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। हाई बीपी के मरीजों को अधिक सोडियम का सेवन करना उनकी सेहत के लिए भारी पड़ सकता है। इसलिए हाई ब्लड प्रेशर वाले मरीजों को कम नमक खाने की सलाह दी जाती है। हालांकि नमक के सेवन को लेकर लोगों के मन में कई तरह के सवाल भी होते हैं। जैसे क्या हाई बीपी की समस्या वाले लोगों के लिए सिर्फ टेबल साल्ट ही नुकसान पहुंचाता है, या फिर अन्य दूसरे नमक भी नुकसान पहुंचाते हैं। अन्य नमक में जैसे सेंधा नमक या फिर काला नमक आदि। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नमक कोई भी हो सोडियम सभी में पाया जाता है। बस किसी नमक में ज्यादा तो किसी में कम सोडियम पाया जाता है। एक्सपर्ट की मानें, तो ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए काला नमक का सेवन करना सामान्य तौर पर सेफ है। लेकिन यह आपको तब नुकसान नहीं पहुंचाता है, जब आप

सीमित मात्रा में इसका सेवन करते हैं। तो आइए जानते हैं कि हाई बीपी के मरीजों को काला नमक का सेवन करने के दौरान किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

काला नमक और ब्लड प्रेशर : काला नमक में सामान्य नमक की तुलना में कम सोडियम पाया जाता है। इसलिए यह हाई बीपी के मरीजों के लिए थोड़ा अच्छा विकल्प साबित हो सकता है। सामान्य तौर पर रोजाना इस्तेमाल किए जाने वाले नमक की तुलना में यह सुरक्षित माना जाता है। लेकिन अधिक मात्रा में काला नमक का सेवन करना नुकसानदेह साबित हो सकता है। बता दें कि काला नमक में सोडियम क्लोराइड की तुलना में कम सोडियम युक्त होता है। जो बीपी के बढ़ने की वजह नहीं बनता है। लेकिन इसके बाद भी बीपी के मरीजों को काला नमक का सेवन करने के दौरान कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है।

काला नमक में मिनरल्स : काले नमक में लो सोडियम पाया जाता है। इसके अलावा इसमें कई अन्य मिनरल्स भी पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए लाभकारी हो सकता है। लेकिन कम मात्रा में इसका सेवन करना फायदेमंद माना जाता है।

जरूर बरतें कुछ सावधानियां : हाई बीपी की समस्या से पीड़ित लोगों को किसी भी प्रकार के नमक का सेवन कम मात्रा में करना चाहिए। फिर चाहे वह काला नमक हो, सेंधा नमक हो या फिर टेबल नमक हो। काला नमक हाई ब्लड प्रेशर का कारण बनें, इसलिए रोजाना इसके सेवन से बचना चाहिए। क्योंकि रोजाना खाने में सामान्य नमक का उपयोग करते हैं। हालांकि आप रोजाना चाट या फिर फल में काला नमक का सेवन कर सकते हैं। इससे दिन भर में ली जाने वाली सोडियम की मात्रा को यह बढ़ा सकता है।

हाई बीपी वाले मरीज : बता दें कि जिन लोगों को हाई ब्लड प्रेशर की समस्या रहती है, उनको काला नमक का सेवन डॉक्टर की सलाह पर करना चाहिए। क्योंकि बिना डॉक्टर के परामर्श के काला नमक का सेवन करने से हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों को हार्ट प्रॉब्लम का खतरा अधिक बढ़ सकता है।

सोडियम के अन्य सोर्स : काला नमक से सोडियम प्राप्त होता है। लेकिन इस मात्रा के साथ पूरे दिन में सोडियम के सभी सोर्स का भी ध्यान रखना बेहद जरूरी है। जैसे- सॉस, प्रोसेस्ड फूड्स और अन्य सोडियम युक्त खाद्य पदार्थ।

रेस्टोरेंट स्टाइल में घर पर बनाएं साउथ इंडियन सांभर

यूनिक समय, मथुरा। साउथ इंडिया में सबसे फेमस डिश है डोसा और इसके साथ ही सांभर जो परोसा जाता है, वो बहुत ही टेस्टी होता है। ज्यादातर लोग सांभर खाना बहुत पसंद करते हैं। आमतौर पर हर घरों में सांभर बनाया जाता है आइए जानते हैं इसकी रेसिपी। साउथ इंडिया में डोसा सबसे ज्यादा खाया जाता है इसके साथ ही सांभर परोसा जाता है। सांभर एक प्रमुख डिश है। दाल की जगह लोग सांभर को खाना पसंद करते है। हेल्थ की दृष्टि से यह डिश काफी फायदेमंद है। आइए जानते हैं इसकी रेसिपी।

सांभर की सामग्री : अरहर की दाल-1 कप, सांभर मसाला-2 चम्मच, हल्दी-आधी चम्मच, नमक-स्वादानुसार, सरसों-1 चम्मच,करी पत्ता-6-8, इमली का पानी-1 कप, साबुत लाल मिर्च-2, गाजर-1 कप कटी हुई, प्याज-1 कटा हुआ, बैंगन-1 कटा हुआ, सहजन की फली-6-7 स्टिक, हरा धनिया- 2 चम्मच कटा हुआ, तेल-2 चम्मच,

सांभर बनाने का तरीका : सबसे पहले अरहर की दाल को पानी में भिगोकर रख दें। इसके बाद एक पैन में एक चम्मच तेल गर्म करें और प्याज सहित सभी सब्जियां डालकर भूनें। सब्जियां भूनने के बाद उसमें नमक और हल्दी मिलाएं। जब सब्जियां पक जाए, तो फ्लेम बंद कर दें। इसके बाद कुकर में दाल डालें और 2-3 सीटी आने तक पका लें। जब दाल पक जाए, तो इसमें पकी हुई सभी सब्जियां डालकर मिलाएं और ढक्कन खोलकर उबालें। अब उबलती हुई दाल में सांभर मसाला डालकर मिलाएं साथ ही तड़का लगाने वाला पैन गर्म करें। फिर पैन में तेल डालें। तेल गर्म होने के बाद उसमें साबुत लाल मिर्च, सरसों और करी पत्ता डालकर भूनें। अब इस तड़के को दाल में डालकर मिक्स करें। ऊपर से हरा धनिया डालकर गार्निश करें और सांभर बनकर तैयार है। इसे आप चवाल, इडली, डोसा आदि के साथ सर्व कर सकते हैं।

सिंपल सूट में लगोंगी अट्रैक्टिव जब स्टाइल करेंगी ये लेटेस्ट डिजाइन वाले दुपट्टे

वर्षा, फैशन डिजाइनर

यूनिक समय, मथुरा। अगर आप सिंपल सूट पहन रही हैं और इस आउटफिट में अट्रैक्टिव लुक चाहती हैं तो आप लेटेस्ट डिजाइन वाले दुपट्टे ओपन आउटफिट के साथ स्टाइल कर सकती हैं।

वहीं इस तरह के लेटेस्ट डिजाइन वाले दुपट्टे आप बाजार से सस्ते दाम में खरीद सकती हैं। दुपट्टे आपके आउटफिट को कंप्लीट करने का काम करता है। लेकिन, अगर आप सिंपल सूट पहन रही हैं और इस आउटफिट में अट्रैक्टिव नजर आना चाहती हैं तो आप आर्टिकल में दिखाए गए दुपट्टे स्टाइल कर सकती हैं। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइन वाले दुपट्टे दिखा रहे हैं जिन्हें आप अट्रैक्टिव लुक के लिए अपने सूट के साथ स्टाइल कर सकती हैं।

चंदेरी दुपट्टा : अगर आप इस तरह का सिंपल सूट पहन रही हैं तो आप इसके साथ ये चंदेरी दुपट्टा स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के सूट के साथ ये चंदेरी दुपट्टा परफेक्ट मैच करेंगे और न्यू लुक पाने के लिए आप इसे अपने आउटफिट के साथ मैच करके वियर कर सकती हैं।

हैवी सीक्वेंस वर्क दुपट्टा : यह हैवी सीक्वेंस वर्क दुपट्टा भी आप अपने सिंपल आउटफिट के साथ मैच करके वियर कर सकती हैं।

इस तरह का हैवी सीक्वेंस वर्क दुपट्टा आप अपने आउटफिट के हिसाब से भी ले सकती हैं। वहीं इस तरह का हैवी सीक्वेंस वर्क दुपट्टा आप ब्लैक या वाइट कलर के आउटफिट के साथ भी मैच करके वियर कर सकती हैं।

यह हैवी सीक्वेंस वर्क दुपट्टा आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही जगहों से 600 से 1000 तक की कीमत में खरीद सकती हैं।

सिल्क दुपट्टा : इस तरह का दुपट्टा भी सूट को रॉयल लुक देने के लिए परफेक्ट ऑप्शन हो सकता है। यह दुपट्टा सिल्क में है और इस दुपट्टे में एम्ब्रॉयडरी वर्क किया हुआ हैं। आप इस तरह का दुपट्टा आप अपने आउटफिट के हिसाब ले सकती हैं।

देश-विदेश के पर्यटकों के लिए आकर्षक केंद्र है राजसमंद शहर

यूनिक समय, मथुरा। राजसमंद राजस्थान के उदयपुर जिलि में स्थित एक प्रमुख नगर है। यह नगर महाराणा राजसिंह द्वारा 1660 में बसाया गया था। इसका नाम "राजसमंद" उस समुद्राल को देखते हुए रखा गया है, जिसे राजसिंह ने अपने नाम पर राजसमंद तालाब कहा था। राजस्थान, भारत के प्रसिद्ध राज्यों में से एक है जिसका नाम सम्पूर्ण भारत में अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर के लिए जाना जाता है। इस राज्य में कई शहर और नगरी हैं जो अपनी अद्वितीयता और महत्वपूर्ण स्थलों के लिए प्रसिद्ध हैं। इसी कड़ी में एक और नगर है- राजसमंद। राजसमंद राजस्थान के उदयपुर जिले में स्थित एक प्रमुख नगर है।

यह नगर महाराणा राजसिंह द्वारा 1660 में बसाया गया था। इसका नाम "राजसमंद" उस समुद्राल को देखते हुए रखा गया है, जिसे राजसिंह ने अपने नाम पर राजसमंद तालाब कहा था। यह तालाब नगर के महत्वपूर्ण प्राकृतिक स्थलों में से एक है और इसे

सांस्कृतिक और पर्यटन दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण माना जाता है।

प्रमुख पर्यटन स्थल: राजसमंद एक ऐतिहासिक और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर नगर है। इसमें कई प्रमुख पर्यटन स्थल हैं, जो इसे देश-विदेश के पर्यटकों के लिए आकर्षक बनाते हैं।

राजसमंद तालाब: यह तालाब नगर का मुख्य प्राकृतिक स्थल है और यहाँ के पर्यटक आकर्षित होते हैं इसकी शांति और सुंदरता से। इस तालाब के किनारे स्थित अत्यंत विशाल छतरी राजसमंद के स्थानीय धार्मिक और सांस्कृतिक आयाम को दर्शाती है।

राजसमंद के मंदिर: यहाँ पर कई प्रमुख मंदिर हैं जो इस नगर की सांस्कृतिक धरोहर को दर्शाते हैं।

राजसमंद में स्थित श्री नाथजी का मंदिर, श्री राम मंदिर, श्री चमुंडेश्वरी मंदिर और श्री महादेव मंदिर आदि कुछ प्रमुख धार्मिक स्थल हैं जो यहाँ के धार्मिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

हालदी घाटी: राजसमंद के पास स्थित हालदी घाटी एक अन्य प्राकृतिक स्थल है जो पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है। यहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य को देखने के लिए यहाँ की खूबसूरती आकर्षक है। हालदी घाटी का भारतीय इतिहास में भी महत्वपूर्ण स्थान है।

राजसमंद की स्थानीय धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत: राजसमंद एक ऐतिहासिक शहर है जो अपने प्राचीन धार्मिक स्थलों और संस्कृति से अपनी विशेष पहचान रखता है। यहाँ के लोग अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक प्रथाओं को गहराई से मानते हैं।

राजसमंद में स्थित महत्वपूर्ण मंदिर

चमुंडेश्वरी मंदिर: यह मंदिर राजसमंद का एक प्रमुख धार्मिक स्थल है, जो माँ चमुंडेश्वरी को समर्पित है। यहाँ के भक्त निरंतर माँ चमुंडेश्वरी की पूजा-अर्चना में लगे रहते हैं।

श्री राम मंदिर: यह मंदिर भगवान श्री राम को समर्पित है और यहाँ के भक्त श्री राम और सीता माता की पूजा करते हैं। इस मंदिर की विशेषता उसकी राजपूतानी वास्तुकला और संस्कृति है।

श्री नाथजी का मंदिर: यह मंदिर भगवान श्री नाथजी को समर्पित है। इस मंदिर की विशेषता उसके शांत और प्राचीन वातावरण में है।

श्री महादेव मंदिर: यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। इस मंदिर की स्थापत्य शैली और सांस्कृतिक महत्व ने इसे एक प्रमुख धार्मिक स्थल बना दिया है।

सुविचार

बड़े सपने देखें और उन्हें पूरा करने के लिए छोटे–छोटे कदम उठाएं।

कल का पंचांग

तिथि	अष्टमी	02:03-03:06 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	श्रवण	09:19-11:24 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:38 AM	चन्द्रोदय	12:35 PM
सूर्यास्त		6:53 PM	चंद्रास्त	12:23 AM
सूर्य राशि		मेष राशि	चंद्र	मकर राशि
शुभ मुहूर्त		11:49AM -12:42 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:02-03:50
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		08:57 AM: 10:36 PM	वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

महिलाओं के सोलह श्रृंगार का हिस्सा होती हैं चूड़ियां

चूड़ियों की खनक से बदल सकती है किस्मत और सौभाग्य

यूनिक समय, मथुरा। चूड़ियों का दान करना बेहद शुभ माना जाता है। वहीं चूड़ियां खरीदने व पहनने के दौरान भी कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इससे सुख–समृद्धि की प्राप्ति होती है और पति दीर्घायु होता है।

सनातन धर्म में दान–पुण्य करना बेहद महत्वपूर्ण और शुभ फलदायी माना जाता है। वहीं सप्ताह का हर दिन अलग–अलग देवी–देवताओं को समर्पित होता है। इसलिए व्यक्ति को दिन के हिसाब से दान–पुण्य करना चाहिए। जिससे व्यक्ति को जीवन में आने वाली सभी परेशानियों से छुटकारा मिल सकता है और शुभ फल की प्राप्ति हो सकती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि चूड़ियों का दान करना किस दिन शुभ माना जाता है।

शुक्रवार के दिन चूड़ियों का दान करना बेहद शुभ माना जाता है। शुक्रवार को चूड़ियां दान करने से मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है और पति दीर्घायु होता है। शुक्रवार को चूड़ियों के अलावा श्रृंगार का सामान दान करना उत्तम फलदायी माना जाता है।

बुधवार को करें चूड़ियों का दान

आपको बता दें कि बुधवार का दिन भगवान गणेश को समर्पित है। इस दिन हरी चूड़ियों का दान करना शुभ माना जाता है और बुध दोष से छुटकारा मिलता है। बुधवार को चूड़ियां दान करने से सुख–समृद्धि की प्राप्ति होती है।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

कांच की चूड़ियों का धार्मिक महत्व

महिलाओं के सोलह श्रृंगार में चूड़ियां भी शामिल होती हैं। वहीं चूड़ियों से निकलने वाली आवाज से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। साथ ही चूड़िया पहनने से कुंडली में बुध ग्रह की स्थिति मजबूत होती है।

विवाहित महिलाएं कितनी चूड़ियां पहनें

विवाहिताओं को 21 चूड़ियां पहननी चाहिए। हर हाथ में समान सोने या चांदी से बनी 2–2 चूड़ियां जरूर पहननी चाहिए। इससे पति की आयु लंबी होती है।

चूड़ियां पहनने के नियम

नई चूड़ियां पहनने से पहले मां गौर को जरूर अर्पित करना चाहिए। इससे वैवाहिक जीवन खुशहाल होने के साथ पति के जीवन में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं। हमेशा सुबह या शाम को ही नई चूड़ियां पहननी चाहिए। इससे आपको शुभ फल की प्राप्ति होगी।

धार्मिक शास्त्रों के मुताबिक मंगलवार और शनिवार के दिन चूड़ियां नहीं खरीदनी चाहिए। ऐसा करने से दुर्भाग्य आ सकता है। रविवार और शुक्रवार के दिन कांच की चूड़ियां पहनना शुभ माना जाता है। स्वास्थ्य के लिहाज से चूड़ियां पहनना शुभ माना जाता है। चूड़ियां पहनने से रक्त संचार में वृद्धि हो सकती है।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

ग्रह–नक्षत्रों की चाल कल कई राशियों के जीवन में बड़े बदलाव के संकेत दे रही है। किसी के लिए करियर में तरक्की के योग बन रहे हैं तो किसी को आर्थिक मामलों में सावधानी बरतने की जरूरत होगी। चंद्रमा के गोचर और ग्रहों की स्थिति का असर नौकरी, व्यापार, प्रेम संबंध और स्वास्थ्य पर साफ दिखाई देगा।

मेष राशि वालों के लिए कल करियर और पद–प्रतिष्ठा के लिहाज से शानदार रहने वाला है। मेहनत का पूरा फल मिलेगा और प्रमोशन के योग बन सकते हैं। आर्थिक लाभ के अवसर मिलेंगे और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

वृषभ राशि के जातकों को भाग्य का भरपूर साथ मिलेगा। बिजनेस यात्रा लाभकारी रहेगी और दांपत्य जीवन में खुशियां बनी रहेंगी। पुरानी परेशानियों से राहत मिल सकती है।

मिथुन राशि वालों को आर्थिक मामलों में सतर्क रहने की सलाह दी गई है। किसी भी बड़े निवेश से बचना बेहतर रहेगा। मानसिक तनाव और विवाद की स्थिति बन सकती है।

कर्क राशि के लोगों के लिए साझेदारी और वैवाहिक जीवन में मजबूती आने के संकेत हैं। व्यापार में नए अवसर मिलेंगे और रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी।

सिंह राशि वालों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। विरोधियों पर जीत हासिल होगी, लेकिन स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही नुकसान पहुंचा सकती है।

कन्या राशि के लिए दिन रचनात्मक और उत्साह से भरा रहेगा। शिक्षा, कला और नौकरी से जुड़े लोगों को सफलता मिलने के संकेत हैं। प्रेम जीवन में भी खुशियां रहेंगी।

तुला राशि वालों को परिवार और घर से जुड़ी खुशखबरी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, हालांकि खर्च भी बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक राशि के जातकों के साहस और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। छोटी यात्राएं लाभकारी साबित हो सकती हैं और करियर में प्रगति के रास्ते खुलेंगे।

धनु राशि वालों के लिए आर्थिक लाभ के योग हैं। नौकरी और व्यापार दोनों में लाभ मिलेगा। परिवार में सुख–शांति का माहौल रहेगा।

मकर राशि वालों के लिए नई शुरुआत और सफलता का दिन रहेगा। नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी और समाज में मान–सम्मान मिलेगा।

कुंभ राशि वालों को खर्च और मानसिक तनाव से सावधान रहने की जरूरत है। किसी भी जोखिम भरे निवेश से दूरी बनाए रखें।

मीन राशि के जातकों के लिए आय के नए स्त्रोत खुल सकते हैं। करियर और व्यापार में सफलता के साथ इच्छाएं पूरी होने के योग बन रहे हैं।

इस समय घर में आती हैं माता लक्ष्मी, भूल से भी न करें ये गलतियां

यूनिक समय, नई दिल्ली। सभी लोग चाहते हैं कि उनके घर में मां लक्ष्मी का वास हो और सदैव उनकी कृपा बनी रहे। हिंदू धर्म में मां लक्ष्मी को धन की देवी कहा जाता है। जिस घर में मां लक्ष्मी का वास होता है वहां कभी भी लोगों को आर्थिक तंगी का सामना नहीं करना पड़ता। शास्त्रों के अनुसार, मां लक्ष्मी के घर आगमन का एक निश्चित समय बताया गया है। आइए जानते हैं कि इस दौरान लोगों को किन बातों का खास ध्यान रखना चाहिए।

घर में मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए लोग हमेशा पूजा अर्चना में लगे रहते हैं। जिससे मां लक्ष्मी प्रसन्न होकर उनके घर में वास करें। शास्त्रों के अनुसार, मां लक्ष्मी शाम करीब 7 बजे से 9 बजे के बीच भ्रमण करती हैं। शाम के समय ही मां लक्ष्मी का घर में प्रवेश होता है। ऐसे में यदि आप चाहते है कि मां लक्ष्मी आपके घर में प्रवेश करें तो आपको इन बातों का खास रखना होगा।

लक्ष्मी जी के आगमन के समय हमेशा लोगों को अपने घर का दरवाजा खुला रखना चाहिए। इसके साथ ही मंदिर या मुख्य द्वार पर घी का दीपक भी जरूर जलाना चाहिए। ऐसा करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

माता लक्ष्मी को घर पर बुलाना चाहते हैं तो घर को पूरी तरह से साफ सुथरा रखने के साथ ही घर में उजाला भी बनाए रखें। वह ऐसे घर में कभी निवास नहीं करती जहां स्वच्छता का ध्यान न रखा जाए। खासकर शाम के समय ध्यान रखें कि कहीं भी गंदगी न फैली हो, वरना मां लक्ष्मी आपकी चौखट से ही वापस लौट जाती हैं।

यदि आपको शाम के समय घर के आसपास उल्लू दिखाई देता है। तो यह बहुत ही शुभ माना जाता है। यह संकेत देता है कि जल्द ही आपके घर मां लक्ष्मी पधारने वाली हैं। साथ ही मां लक्ष्मी जिस घर में आती हैं, उस घर के सदस्यों के खानपान में परिवर्तन होने लगता है। लोग नशा और मांसाहार से भी दूरी बनाने लगते हैं। यही नहीं पूजापाठ के दौरान शंख का बजाने को विशेष महत्व है। ऐसे में यदि सुबह उठने के बाद आपको शंख की आवाज सुनाई दे तो इसे एक शुभ संकेत माना जाता है।

सोना खोना ही नहीं, मिलना भी माना जाता है अशुभ

यूनिक समय, मथुरा। सोना एक बहुमूल्य धातु है। इसका उपयोग आमतौर पर ज्वैलरी यानी गहने बनाने में किया जाता है। महिलाओं को सोने के गहने खासतौर पर पसंद होते हैं। सोना अक्सर शुभ मुहूर्त देखकर खरीदा जाता है ताकि ये लंबे समय तक घर में टिका रहे और सुख–समृद्धि लेकर आए। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सोना देवगुरु बृहस्पति की धातु है। सोने के बारे में कहा जाता है कि सोना मिलना या खोना दोनों ही अशुभ होता है। और भी कई मान्यताएं सोने से जुड़ी हुई हैं।

जब भी किसी व्यक्ति का सोना या सोने का कोई आभूषण खो जाता है या चोरी हो जाता है तो इसे अपशकुन माना जाता है। इसके पीछे ज्योतिषीय कारण छिपा है। उसके अनुसार, सोना गुरु ग्रह की धातु है। ऐसा माना जाता है कि जब किसी पर गुरु ग्रह का अशुभ प्रभाव शुरू होता है तो सबसे पहले उसकी जमा पूंजी का नाश होता है। सोना भी जमा पूंजी के समान ही होता है। इसके बाद जीवन में गुरु ग्रह से संबंधित और भी अशुभ फल मिलने शुरू होते हैं जो लंबे समय तक बने रहते हैं। गुरु के अशुभ होने से वैवाहिक जीवन पर भी इसका विपरीत प्रभाव पड़ता है। इसलिए कहते हैं कि सोना खोना या चोरी होना बहुत ही अशुभ होता है।

जिस तरह सोने का खोना या चोरी होना अशुभ माना जाता है उसी तरह इसका मिलना भी अशुभ माना जाता है। इसके पीछे भी ज्योतिषिय कारण छिपा है, उसके अनुसार सोना शुभ धातु है, जिससे घर में सुख–समृद्धि आती है। लेकिन जो सोना हमारा न हो और हमें बिना मेहनत से प्राप्त हो, ऐसा सोना घर में अशांति लाता है, जिसके कारण परिवार में विवाद की स्थिति बनती है। इसलिए कहा जाता है कि सोना मिलना भी अपशकुन होता है। यदि रास्ते में या और कहीं आपको सोने का कोई आभूषण मिल जाए तो इसे अपने उपयोग के लिए न रखें बल्कि इसे अपनी बहन या बेटी को दे दें।

अगर ऐसा न करना चाहें तो किसी मंदिर में भी इसका दान कर सकते हैं। इसके अलावा आप इस गहने के बेचकर आए हुए पैसों को धर्म–कर्म के काम में लगा सकते हैं, लेकिन भूलकर भी इन पैसों का उपयोग खुद की सुख–सुविधा के लिए न करें, नहीं तो भविष्य में आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

सम्पादकीय

रिंकू की मौत: सिस्टम की सबसे बड़ी असफलता

बूंदी के अलकोदिया गांव की नौ साल की रिंकू अब स्कूल नहीं जाएगी। वह सुबह घर से निकली थी, लेकिन लौटकर अपनी जिंदगी नहीं, अपनी मौत की कहानी बनकर आई। यह सिर्फ एक दुर्घटना नहीं है, बल्कि एक ऐसी व्यवस्था की गहरी विफलता है, जो वर्षों से चेतावनियों के बावजूद आंखें मूंदे बैठी रही।

प्रदेश में लगातार बढ़ते डॉग बाइट और आवारा कुत्तों के हमलों के बावजूद न तो ठोस नीति जमीन पर दिखी और न ही प्रभावी नियंत्रण। अस्पतालों की ओपीडी में रोजाना ऐसे मरीजों की भीड़ यह बताने के लिए काफी है कि समस्या कितनी गंभीर हो चुकी है। बूंदी जैसे क्षेत्रों में 15 से 20 लोग रोज एंटी-रेबीज इंजेक्शन के लिए पहुंच रहे हैं, लेकिन यह आंकड़े भी अब सामान्य मान लिए गए हैं।

पवन गौतम
संपादक

रिंकू एक गरीब मजदूर की बेटी थी। उसके पिता ने उसके भविष्य के लिए गांव तक बदला, झोपड़ी में सपने सजाए, लेकिन सिस्टम की लापरवाही ने उन सपनों को हमेशा के लिए खत्म कर दिया। अब सवाल सिर्फ एक परिवार का नहीं, पूरे तंत्र का है–क्या किसी की जान की कोई कीमत नहीं? नगर निकाय, पंचायत, पशुपालन विभाग और प्रशासन–सभी जिम्मेदारी के दायरे में हैं, लेकिन जवाबदेही किसी की तय नहीं होती। हर हादसे के बाद जांच और कार्रवाई की औपचारिकता होती है, लेकिन जमीन पर बदलाव नहीं दिखता। समस्या नई नहीं है। वर्षों से नसबंदी और टीकाकरण की योजनाएं बनाई जाती रही हैं, लेकिन वे कागजों से बाहर नहीं निकल पाईं। नतीजा यह है कि कुत्तों के झुंड अब स्कूलों, गलियों और गांवों में खुलेआम घूम रहे हैं, और बच्चे डर के साए में जी रहे हैं।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

विडंबना यह भी है कि इस गंभीर समस्या पर चर्चा अक्सर भावनाओं में उलझ जाती है–कभी पशु प्रेम बनाम मानव सुरक्षा की बहस, तो कभी जिम्मेदारी टालने की कोशिश। लेकिन असली समाधान संतुलन और विज्ञान आधारित नीति में है। हर जिले में डॉग कंट्रोल टास्क फोर्स, प्रभावी नसबंदी अभियान, नियमित टीकाकरण और ग्रामीण–शहरी क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था जरूरी है। सबसे महत्वपूर्ण है जवाबदेही तय करना, क्योंकि बिना जिम्मेदारी के कोई सुधार संभव नहीं।

रिंकू की मौत सिर्फ एक आंकड़ा नहीं बननी चाहिए। यह चेतावनी है कि अगर अब भी व्यवस्था नहीं जागी, तो अगली खबर किसी और मासूम की होगी। और तब सवाल फिर वही रहेगा–क्या हम हर बार किसी नई मौत का इंतजार करेंगे?

नजरिया

विदेश तक पहुंची भारत की राजनीति

लोकतंत्र पर उठे बड़े सवाल

बोध प्रकाश सगुणी

भारत की राजनीति इन दिनों एक ऐसे मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है, जहां घरेलू असहमति धीरे-धीरे अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचने लगी है। हाल ही में शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लिखे गए पत्र ने एक नई बहस को जन्म दे दिया है। इस पत्र में पश्चिम बंगाल चुनावों को लेकर कथित अनियमितताओं, दबाव और संस्थागत निष्पक्षता पर सवाल उठाए गए हैं। इसी क्रम में विपक्ष के अन्य बयानों ने भी राजनीतिक तापमान को बढ़ा दिया है।

यह पूरा घटनाक्रम केवल एक राजनीतिक प्रतिक्रिया भर नहीं रह गया है, बल्कि यह प्रश्न खड़ा करता है कि क्या भारत के लोकतांत्रिक विवाद अब देश की सीमाओं से बाहर ले जाए जाने लगे हैं? और यदि हां, तो इसके दूरगामी प्रभाव क्या होंगे?

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी बहस और असहमति है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में चुनावी परिणामों पर प्रश्न उठना कोई नई बात नहीं है। कभी सत्ता पक्ष आरोपों का सामना करता है, तो कभी विपक्ष असंतोष जताता है। यह स्वाभाविक है और लोकतंत्र को जीवित रखने का हिस्सा भी।

लेकिन जब यह असहमति विदेशी नेताओं या अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं तक पहुंचने लगे, तो प्रश्न यह उठता है कि क्या हम अपनी संवैधानिक व्यवस्था पर भरोसा कमजोर कर रहे हैं? भारत में चुनाव प्रक्रिया की निगरानी एक संवैधानिक संस्था भारत का चुनाव आयोग करती है, जिसे दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक मशीनरी संचालित करने का अनुभव प्राप्त है। इसके अलावा न्यायपालिका और संवैधानिक तंत्र भी किसी भी विवाद के समाधान के लिए मौजूद हैं।

ऐसे में यदि किसी राजनीतिक असहमति का समाधान विदेशी मंचों से खोजा जाए, तो यह न केवल संस्थागत आत्मविश्वास पर सवाल उठाता है, बल्कि लोकतांत्रिक परिपक्वता की परीक्षा भी बन जाता है। डोनाल्ड ट्रंप को लिखा गया पत्र केवल एक व्यक्तिगत संवाद नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे एक राजनीतिक संदेश के रूप में देखा जा रहा है। इसमें चुनावी प्रक्रिया, सुरक्षा बलों की भूमिका और निष्पक्षता पर सवाल उठाए गए हैं। यह प्रश्न भी उठता है कि क्या यह कदम केवल असहमति जताने का तरीका था या फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर ध्यान आकर्षित करने की रणनीति?

भारत जैसे देश में, जहां लोकतंत्र की जड़ें गहरी हैं और सत्ता परिवर्तन नियमित रूप से चुनावों के माध्यम से होता है, वहां इस तरह के कदम स्वाभाविक रूप से बहस को जन्म देते हैं। आलोचक इसे लोकतांत्रिक संस्थाओं पर अविश्वास के रूप में देखते हैं, जबकि समर्थक इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा मानते हैं। इसी राजनीतिक बहस के बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के अंतरराष्ट्रीय न्यायालय जाने संबंधी बयान ने भी चर्चा को और आगे बढ़ाया है। इस प्रकार के बयान राजनीतिक असंतोष को वैश्विक मंच तक ले जाने की प्रवृत्ति को दर्शाते हैं।

लेकिन सवाल यह है कि जब देश में संविधान, उच्चतम न्यायालय और चुनाव आयोग जैसी संस्थाएं मौजूद हैं, तब अंतरराष्ट्रीय अदालतों की चर्चा किस संदेश को जन्म देती है? भारत का लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र माना जाता है। यहां करोड़ों मतदाता हर चुनाव में भाग लेते हैं, और सत्ता परिवर्तन शांतिपूर्ण तरीके से होता है। ऐसे में यदि बार-बार चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठते हैं और उन्हें विदेशी मंचों तक ले जाया जाता है, तो यह धारणा बन सकती है कि संस्थाओं पर भरोसा कमजोर हो रहा है।

हालांकि यह भी सच है कि लोकतंत्र में सवाल उठाना जरूरी है। लेकिन सवाल का मंच भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि असहमति का समाधान उसी व्यवस्था के भीतर खोजा जाए, न कि बाहर।

भारतीय राजनीति में यह प्रवृत्ति नई नहीं है कि चुनाव परिणाम अनुकूल न आने पर संस्थाओं की भूमिका पर सवाल उठाए जाते हैं। कभी चुनाव आयोग, कभी प्रशासन, तो कभी सुरक्षा व्यवस्था पर आरोप लगाए जाते हैं।

लेकिन लंबे समय में यह प्रवृत्ति जनता के बीच संस्थागत भरोसे को प्रभावित कर सकती है। लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं है, बल्कि हार को स्वीकार करने और व्यवस्था पर विश्वास बनाए रखने की भी प्रक्रिया है।

जब भारत के आंतरिक राजनीतिक विवाद अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चर्चा का विषय बनते हैं, तो उसका प्रभाव वैश्विक धारणा पर भी पड़ता है। दुनिया के सामने यह संदेश जाना महत्वपूर्ण है कि भारत अपनी लोकतांत्रिक संस्थाओं को स्वयं संभालने में सक्षम है। यदि हर राजनीतिक असहमति का समाधान बाहरी हस्तक्षेप से जोड़ा जाएगा, तो यह एक गलत उदाहरण स्थापित कर सकता है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि जिस अमेरिका को अक्सर लोकतंत्र का प्रतीक माना जाता है, वहां भी चुनावी विवाद कम नहीं रहे हैं। वर्ष 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के बाद अमेरिका में राजनीतिक ध्रुवीकरण, अदालतों में याचिकाएं और सामाजिक तनाव जैसी स्थितियां देखने को मिलीं। यह दर्शाता है कि कोई भी लोकतंत्र पूर्ण नहीं होता, बल्कि वह लगातार सुधार और आत्ममंथन की प्रक्रिया में रहता है।

भारत के लोकतंत्र की असली ताकत उसकी संस्थाएं और जनता का विश्वास है। असहमति लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन उसका समाधान भी उसी ढांचे के भीतर होना चाहिए। संजय राउत जैसे नेताओं द्वारा उठाए गए सवाल हों या ममता बनर्जी जैसे बयानों की राजनीतिक व्याख्या–इन सभी के बीच एक संतुलन जरूरी है। लोकतंत्र में आलोचना आवश्यक है, लेकिन उसे इस तरह दिशा नहीं देनी चाहिए कि संस्थाओं पर सामूहिक अविश्वास पैदा हो। भारत जैसे विशाल और विविध देश में लोकतंत्र केवल व्यवस्था नहीं, बल्कि एक आस्था भी है। इस आस्था को मजबूत रखना सभी राजनीतिक दलों की साझा जिम्मेदारी है। अंततः सबसे बड़ा प्रश्न यही है–क्या हम अपने लोकतंत्र की समस्याओं का समाधान अपने ही संविधान के भीतर खोजेंगे, या उन्हें अंतरराष्ट्रीय बहस का हिस्सा बनाकर और जटिल बना देंगे?

विचार विण्डो

मथुरा की तीसरी आंख अंधेरे में, सुरक्षा पर बड़ा सवाल

राम प्रकाश वर्मा

मथुरा जैसे ऐतिहासिक, धार्मिक और अत्यधिक भीड़भाड़ वाले शहर में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए लगाए गए सीसीटीवी कैमरे आज खुद सवालों के घेरे में हैं। जिन कैमरों को शहर की "तीसरी आंख" कहा गया था, वे अब या तो बंद पड़े हैं या फिर तकनीकी खराबियों के कारण पूरी तरह निष्क्रिय हो चुके हैं। नतीजा यह है कि जिस सिस्टम से अपराध पर नियंत्रण और पारदर्शी निगरानी की उम्मीद की गई थी, वही सिस्टम अब कमजोर पड़ता दिखाई दे रहा है।

शहर के प्रमुख बाजारों, चौराहों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और धार्मिक स्थलों के आसपास लगाए गए कैमरे अब पूरी तरह प्रभावी नहीं हैं। कई स्थानों पर कैमरे सिर्फ पोल पर लटके नजर आते हैं, लेकिन उनमें रिकॉर्डिंग या लाइव फीड की कोई व्यवस्था काम नहीं कर रही। कहीं बिजली आपूर्ति बाधित है, तो कहीं नेटवर्क की समस्या है, और कई जगहों पर कैमरों का रखरखाव ही नहीं किया जा रहा।

यह स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब मथुरा में हर दिन लाखों श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं। वृंदावन, द्वारकाधीश मंदिर, गोवर्धन और अन्य धार्मिक स्थलों पर भारी भीड़ रहती है, जहां सुरक्षा व्यवस्था का मजबूत होना बेहद जरूरी है। लेकिन कैमरा सिस्टम की यह स्थिति सुरक्षा ढांचे की कमजोरी को उजागर कर रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार छोटी घटनाओं से लेकर गंभीर अपराध तक में पुलिस जांच कैमरा फुटेज पर निर्भर रहती है, लेकिन जब कैमरे ही काम नहीं करेंगे तो जांच कैसे आगे बढ़ेगी? हाल के कुछ मामलों में भी यह देखने को मिला कि फुटेज न मिलने के कारण जांच में देरी हुई और कई बार मामले अधूरे रह गए। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब इन कैमरों पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए थे, तो उनकी नियमित देखरेख और मरम्मत की व्यवस्था क्यों नहीं की गई? क्या प्रशासन ने सिर्फ कैमरे लगाकर अपनी जिम्मेदारी खत्म मान ली? मथुरा में लगाए गए सीसीटीवी नेटवर्क को सुरक्षा की रीढ़ माना गया था, लेकिन अब यह रीढ़ कमजोर होती नजर आ रही है। कई स्थानों पर कैमरे या तो खराब पड़े हैं या फिर उनकी रिकॉर्डिंग क्षमता बंद हो चुकी है। कुछ कैमरे तो ऐसे भी हैं जिनका अस्तित्व केवल नाम तक सीमित रह गया है। पुलिस प्रशासन और संबंधित तकनीकी एजेंसियों के बीच समन्वय की कमी भी इस समस्या का बड़ा कारण बन रही है। जब कोई कैमरा खराब होता है, तो उसकी मरम्मत की प्रक्रिया धीमी पड़ जाती है। फाइलें आगे बढ़ती रहती हैं, लेकिन समाधान जमीन पर नहीं पहुंचता।

मथुरा जैसे शहर में यह स्थिति इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि यहां यातायात, भीड़ और धार्मिक गतिविधियों का दबाव हमेशा अधिक रहता है। ऐसे में निगरानी व्यवस्था का कमजोर होना सीधे तौर पर सुरक्षा जोखिम को बढ़ा देता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पहले जब कैमरे पूरी तरह सक्रिय थे, तो लोगों में एक तरह का भरोसा रहता था कि किसी भी घटना की रिकॉर्डिंग उपलब्ध होगी। लेकिन अब यह भरोसा धीरे-धीरे टूट रहा है।

कुछ स्थानों पर तो कैमरे केवल दिखावे के लिए लगे हुए प्रतीत होते हैं। उनके नीचे चेतावनी बोर्ड जरूर लगे हैं कि "आप कैमरे की नजर में हैं", लेकिन वास्तविकता यह है कि कैमरे खुद ही नजर बंद किए बैठे हैं।

यह भी देखा गया है कि कई कैमरे बिजली आपूर्ति की अनियमितता के कारण काम नहीं कर रहे। कहीं वायरिंग खराब है, तो कहीं इंटरनेट कनेक्शन बाधित है। यह साफ संकेत है कि सिस्टम को केवल स्थापित करना पर्याप्त नहीं होता, बल्कि उसका निरंतर रखरखाव भी उतना ही जरूरी है। मथुरा जैसे शहर में, जहां हर दिन अपराध, ट्रैफिक और भीड़ नियंत्रण की चुनौतियां रहती हैं, वहां सीसीटीवी कैमरों का निष्क्रिय होना प्रशासनिक लापरवाही की ओर इशारा करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कैमरा नेटवर्क को समय-समय पर अपग्रेड और मॉनिटर नहीं किया गया, तो उसका प्रभाव धीरे-धीरे खत्म हो जाता है। तकनीक पुरानी होने लगती है, और सिस्टम अप्रासंगिक हो जाता है।

यह भी एक तथ्य है कि कैमरे सिर्फ उपकरण नहीं होते, बल्कि एक पूरे सुरक्षा तंत्र का हिस्सा होते हैं। यदि यह तंत्र कमजोर हो जाए, तो अपराध नियंत्रण भी कमजोर हो जाता है।

शहर के कई लोगों का यह भी कहना है कि कैमरों की स्थिति केवल तकनीकी समस्या नहीं है, बल्कि यह प्राथमिकताओं की कमी को भी दर्शाती है। सुरक्षा को यदि गंभीरता से लिया जाए, तो ऐसे सिस्टम को कभी निष्क्रिय नहीं छोड़ा जा सकता। मथुरा में धार्मिक आयोजनों, त्योहारों और पर्यटन सीजन के दौरान भीड़ कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे समय में सीसीटीवी कैमरों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। लेकिन जब यही सिस्टम ठीक से काम नहीं करेगा, तो भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा दोनों चुनौतीपूर्ण हो जाते हैं। स्थानीय प्रशासन के सामने अब यह बड़ा सवाल है कि क्या वह इस स्थिति को सुधारने के लिए कोई ठोस कदम उठाएगा या फिर यह व्यवस्था ऐसे ही कमजोर बनी रहेगी?

आवश्यकता इस बात की है कि सीसीटीवी नेटवर्क की पूरी समीक्षा की जाए, खराब कैमरों को तुरंत ठीक किया जाए, और एक स्थायी रखरखाव व्यवस्था बनाई जाए। साथ ही, तकनीकी टीमों की जिम्मेदारी तय करना भी जरूरी है ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने। मथुरा की "तीसरी आंख" आज जिस हालत में है, वह केवल एक तकनीकी समस्या नहीं बल्कि प्रशासनिक उदासीनता का प्रतीक बनती जा रही है। यदि इसे समय रहते नहीं सुधारा गया, तो इसका सीधा असर शहर की सुरक्षा और लोगों के भरोसे पर पड़ेगा।

आज जरूरत इस बात की है कि कैमरे केवल लगाए न जाएं, बल्कि उन्हें जीवित रखा जाए। क्योंकि जब निगरानी कमजोर होती है, तो अपराध को अवसर मिल जाता है।

आईपीएल के बाद बीसीसीआई का बड़ा फैसला

टीम इंडिया में नए कोच की एंट्री तय

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 खत्म होते ही भारतीय क्रिकेट टीम के सपोर्ट स्टाफ में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। खबरों के मुताबिक पूर्व भारतीय स्पिनर साईराज बहुतुले को टीम इंडिया का नया स्पिन बॉलिंग कोच बनाए जाने की तैयारी चल रही है। माना जा रहा है कि इस संबंध में हेड कोच गौतम गंभीर और बीसीसीआई अधिकारियों के बीच चर्चा भी हो चुकी है।

फिलहाल बहुतुले आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स के साथ जुड़े हुए हैं, लेकिन भारतीय टीम में जिम्मेदारी मिलने की संभावना काफी मजबूत बताई जा रही है। भारतीय क्रिकेट टीम के मौजूदा कोचिंग सेटअप में बल्लेबाजी कोच, फास्ट बॉलिंग कोच और फील्डिंग कोच तो मौजूद हैं, लेकिन स्पिन गेंदबाजों के लिए अलग विशेषज्ञ कोच नहीं है। ऐसे में गौतम गंभीर स्पिन विभाग को और मजबूत करना चाहते हैं।

बहुतुले का अनुभव और घरेलू क्रिकेट में उनकी पकड़ उन्हें इस भूमिका के लिए मजबूत दावेदार बनाती है। उन्होंने भारत के लिए दो टेस्ट और आठ वनडे मुकाबले खेले हैं। हालांकि उनका अंतरराष्ट्रीय करियर लंबा नहीं रहा, लेकिन कोचिंग में उन्होंने लगातार प्रभाव छोड़ा है। इससे पहले भी बहुतुले कई मौकों पर भारतीय टीम के साथ काम कर चुके हैं। जब राहुल द्रविड़ टीम इंडिया के मुख्य कोच थे, तब उन्होंने बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के दौरान बहुतुले को सपोर्ट स्टाफ में शामिल करने की सिफारिश की थी। इसके अलावा श्रीलंका दौरे पर भी वह भारतीय टीम के साथ नजर आए थे।

राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में वीवीएस लक्ष्मण के मार्गदर्शन में काम करने के दौरान भी बहुतुले ने युवा स्पिनरों के साथ बेहतरीन काम किया था। यही वजह है कि उन्हें भारतीय टीम के भविष्य की स्पिन रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि आईपीएल खत्म होने के बाद बीसीसीआई इस फैसले को आधिकारिक रूप दे सकता है। हालांकि पंजाब किंग्स के साथ उनके मौजूदा अनुबंध की कुछ औपचारिकताएं बाकी हैं, लेकिन माना जा रहा है कि भारतीय टीम में भूमिका मिलने पर फ्रेंचाइजी उनके रास्ते में बाधा नहीं बनेगी। अगर बहुतुले की नियुक्ति होती है, तो भारतीय टीम को स्पिन गेंदबाजी विभाग में एक विशेषज्ञ मार्गदर्शक मिलेगा। खासतौर पर युवा स्पिनरों को इससे बड़ा फायदा हो सकता है। आने वाले विदेशी दौरों और बड़े टूर्नामेंटों को देखते हुए यह फैसला टीम इंडिया के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

शोहरत मिली, स्टार बने...

फिर अचानक रहस्यमयी गुमनामी में खो गए सितारे

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड की चमक–दमक भरी दुनिया में जहां कई सितारे रातों–रात बुलंदियों पर पहुंचते हैं, वहीं कुछ चेहरे ऐसे भी रहे जो अचानक रहस्यमयी तरीके से गायब हो गए। कभी बड़े पर्दे पर छाए रहने वाले इन कलाकारों का आज तक कोई पक्का सुराग नहीं मिल पाया। इनके परिवार और फैंस आज भी जवाब तलाश रहे हैं।

1988 की हॉरर फिल्म 'वीराना' से सनसनी मचाने वाली जैस्मिन धुन्ना का नाम इस सूची में सबसे ऊपर आता है। अपनी खूबसूरती और रहस्यमयी अंदाज से मशहूर हुईं जैस्मिन अचानक फिल्म इंडस्ट्री से गायब हो गईं। कहा गया कि उन्हें अंडरवर्ल्ड से धमकियां मिल रही थीं। बाद में किसी ने उनके अमेरिका में होने का दावा किया तो किसी ने मुंबई में, लेकिन सच्चाई आज भी रहस्य बनी हुई है।

80 के दशक के अभिनेता राज किरण भी लंबे समय से लापता हैं। 'अर्थ' और 'बसेरा' जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय करने वाले राज किरण कथित तौर पर मानसिक तनाव से जूझ रहे थे। एक समय खबर आई कि वह अमेरिका के मानसिक संस्थान में हैं, लेकिन परिवार ने इसकी पुष्टि नहीं की। दो दशक से ज्यादा समय गुजरने के बाद भी उनका कोई पता नहीं चल सका।

'मुन्ना भाई एमबीबीएस' में नजर आ चुके अभिनेता विशाल ठक्कर का मामला भी बेहद रहस्यमयी है। साल 2016 में वह घर से निकले और फिर कभी वापस नहीं लौटे। परिवार आज भी उनके लौटने की उम्मीद लगाए बैठा है।

इसके अलावा अभिनेत्री काजल किरण, 'राज' फिल्म की अभिनेत्री मालिनी शर्मा और पूर्व मॉडल गीतांजलि नागपाल भी अचानक गुमनामी में खो गईं। किसी ने ग्लैमर की दुनिया छोड़ दी तो कोई निजी परेशानियों में टूट गया।

इन कलाकारों की कहानियां यह दिखाती हैं कि बॉलीवुड की चमकदार दुनिया के पीछे कई बार अकेलापन, मानसिक तनाव और रहस्य भी छिपे होते हैं। शोहरत मिलने के बाद भी जिंदगी कब किस मोड़ पर ले जाए, यह कोई नहीं जानता।

जब खूबसूरती ही बन गई गौहर खान की सबसे बड़ी दुश्मन

पांच ऑडिशन पास, फिर भी फिल्म हाथ से निकली

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री गौहर खान ने अपने करियर से जुड़ा एक ऐसा दिलचस्प किस्सा साझा किया, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया। आमतौर पर फिल्म इंडस्ट्री में खूबसूरती को सफलता की सीढ़ी माना जाता है, लेकिन गौहर खान के लिए यही खूबसूरती एक बड़े मौके के रास्ते की दीवार बन गई।

गौहर खान ने खुलासा किया कि उन्हें ऑस्कर विजेता फिल्म 'स्लमडॉग मिलियनेयर' से सिर्फ इसलिए बाहर कर दिया गया था क्योंकि वह उस किरदार के लिए "जरूरत से ज्यादा खूबसूरत" थीं। इस फिल्म का निर्देशन मशहूर ब्रिटिश निर्देशक डैनी बॉयल ने किया था। एक इंटरव्यू में गौहर ने बताया कि उन्होंने फिल्म के लिए लगातार पांच कठिन ऑडिशन राउंड पार किए थे। उनकी एक्टिंग से डैनी बॉयल काफी प्रभावित थे। यहां तक कि उन्होंने गौहर की तारीफ करते हुए कहा था कि उनकी अदाकारी किसी इंटरनेशनल कलाकार जैसी लगती है। लेकिन कहानी में मोड़ तब आया जब फिल्म के किरदार और माहौल की बात हुई। फिल्म मुंबई की झुग्गी–झोपड़ियों और वहां के संघर्ष पर आधारित थी। डैनी बॉयल को लगा कि गौहर का ग्लैमरस और हाई–प्रोफाइल लुक उस किरदार में फिट नहीं बैठ पाएगा। गौहर ने बताया कि निर्देशक ने साफ कहा था कि वह बेहतरीन अभिनेत्री हैं, लेकिन उनका चेहरा और व्यक्तित्व फिल्म के रफ और रियलिस्टिक माहौल से मेल नहीं खा रहा। गौहर ने उन्हें समझाने की भी कोशिश की कि वह खुद को किरदार के अनुसार ढाल सकती हैं, लेकिन आखिरकार उन्हें फिल्म से बाहर कर दिया गया। हालांकि इस रिजेक्शन को लेकर गौहर खान के मन में कोई नाराजगी नहीं है। उनके मुताबिक उनके लिए सबसे बड़ी बात यह थी कि डैनी बॉयल जैसे विश्व प्रसिद्ध निर्देशक ने उनकी प्रतिभा की सराहना की।

गौहर ने यह भी बताया कि उनकी पहली फिल्म 'रॉकेट सिंह: सेल्समैन ऑफ द ईयर' में भी उन्हें साधारण दिखाने के लिए खास मेकअप किया गया था, ताकि उनका ग्लैमरस लुक कम नजर आए।

यह किस्सा साबित करता है कि फिल्म इंडस्ट्री में सिर्फ प्रतिभा ही नहीं, बल्कि किरदार के अनुसार व्यक्तित्व और लुक भी उतना ही मायने रखता है।

आईपीएल में पंत की चाल में फंसे विराट

प्रिंस यादव की रफ्तार ने उड़ाई विराट की गिल्लियां

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मुकाबले ने क्रिकेट फैंस को जबरदस्त रोमांच दिया, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा जिस पल की हो रही है, वह है विराट कोहली का सिर्फ दो गेंदों में बिना खाता खोले बोल्ड होना। यह सिर्फ एक विकेट नहीं था, बल्कि कप्तान ऋषभ पंत और युवा गेंदबाज प्रिंस यादव की ऐसी रणनीति थी, जिसने क्रिकेट प्रेमियों को चौंका दिया। लखनऊ सुपर जायंट्स लगातार छह हार के बाद मैदान में उतरी थी। टीम पर दबाव था और जीत बेहद जरूरी थी। ऐसे में कप्तान ऋषभ पंत ने शुरुआत से ही आक्रामक रणनीति अपनाई। पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ ने 19 ओवर में 209 रन ठोक दिए। मिचेल मार्श की विस्फोटक शतकीय पारी और आखिर में पंत की तेज बल्लेबाजी ने टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। बारिश के कारण मैच छोटा हुआ और आरसीबी को संशोधित लक्ष्य मिला। लेकिन मुकाबले की असली कहानी तब शुरू हुई जब विराट कोहली बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरे। स्टेडियम में शोर था, फैंस को उम्मीद थी कि विराट बड़ा धमाका करेंगे, लेकिन ऋषभ पंत ने पहले से ही उनके लिए "चक्रव्यूह" तैयार कर रखा था। युवा तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को खास निर्देश दिए गए थे।

पहली गेंद पर उन्होंने विराट को हल्का सा चकमा दिया। गेंद की लाइन और लेंथ देखकर ऐसा लगा मानो अगली गेंद भी बाहर जाएगी। लेकिन दूसरी गेंद पर खेल बदल गया। करीब 140 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आई गेंद ऑफ स्टंप के बाहर से अंदर की तरफ तेजी से मुड़ी। विराट आगे बढ़कर शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद और बल्ले के बीच गैप रह गया। अगले ही पल स्टंप हवा में उड़ता नजर आया। पूरा स्टेडियम कुछ सेकंड के लिए शांत हो गया। विराट का चेहरा हैरान था और लखनऊ की टीम जश्न में डूब चुकी थी। यह विकेट सिर्फ तेज गेंदबाजी का कमाल नहीं था, बल्कि विकेट के पीछे खड़े ऋषभ पंत की शानदार प्लानिंग भी थी। मैच के बाद पंत ने माना कि टीम लंबे समय से सही तालमेल तलाश रही थी। उन्होंने कहा कि यह जीत पूरे टीम संयोजन और एक जैसी सोच का परिणाम है। उनके अनुसार कठिन दौर के बाद मिली यह जीत खिलाड़ियों के आत्मविश्वास के लिए बेहद जरूरी थी। इस मुकाबले ने एक बार फिर साबित कर दिया कि क्रिकेट सिर्फ ताकत का खेल नहीं, बल्कि दिमाग और रणनीति का भी खेल है। और इस बार ऋषभ पंत और प्रिंस यादव की जोड़ी ने विराट कोहली जैसे दिग्गज को सिर्फ दो गेंदों में मात देकर सबको हैरान कर दिया।

कपिल शो में सुनील पाल संग बड़ा खेल!

यूनिक समय, नई दिल्ली। नेटफ्लिक्स के चर्चित कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का हालिया एपिसोड विवादों में आ गया है। शो में स्टैंडअप कॉमेडियन समय रैना और सुनील पाल की मौजूदगी ने सोशल मीडिया पर नई बहस छेड़ दी। दर्शकों को लगा कि पूरे एपिसोड में सुनील पाल को निशाना बनाकर रोस्ट किया गया।

दरअसल, शो में कपिल शर्मा ने सुनील पाल की सरप्राइज एंट्री कराई थी। मंच पर आते ही समय रैना और सुनील पाल के बीच पुरानी नोकझोंक फिर देखने को मिली। दोनों के बीच व्यंग्य और तंज का दौर चला, जिसे देखकर लोगों ने इसे सुनियोजित रोस्टिंग बताया। अब इस विवाद पर खुद सुनील पाल ने चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि उन्हें शो में स्टैंडअप परफॉर्मेंस के लिए बुलाया गया था, लेकिन वहां माहौल कुछ अलग ही निकला। सुनील पाल के मुताबिक, उन्हें लगा था कि उन्हें एक्ट करने का मौका मिलेगा, लेकिन बातचीत और मजाक तक ही सब सीमित रह गया। हालांकि उन्होंने इसे धोखा मानने से इनकार किया। सुनील पाल ने कहा कि मनोरंजन की दुनिया में रोस्टिंग आम बात है और उन्हें इससे कोई नाराजगी नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर चाहते तो जवाब दे सकते थे, लेकिन उन्होंने माहौल खराब करना सही नहीं समझा।

सिपाही के वायरल वीडियो से यूपी पुलिस महकमे में मचा हड़कंप

दो हजार रुपये दो,ड्यूटी लो

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग एक वायरल वीडियो के बाद विवादों में घिर गया है। लखनऊ पुलिस लाइन में तैनात 2015 बैच के सिपाही सुनील कुमार शुक्ला ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार और वसूली के गंभीर आरोप लगाए हैं। वीडियो सामने आने के बाद पूरे महकमे में हड़कंप मच गया है। पुलिस आयुक्त ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं।

सिपाही सुनील ने आरोप लगाया कि पुलिस लाइन में ड्यूटी लगाने के नाम पर हर महीने सिपाहियों से दो-दो हजार रुपये वसूले जाते हैं। उसने दावा किया कि यह वसूली गार्द कमांडर, गणना प्रभारी, आरआई और कुछ पुलिस अधिकारियों की मिलीभगत से की जाती है। वीडियो में उसने आईपीएस अधिकारियों को "काले अंग्रेज" बताते हुए कहा कि विभाग में भ्रष्टाचार का पूरा नेटवर्क सक्रिय है। सिपाही के मुताबिक पुलिस लाइन में ए, बी, सी और डी नाम से अलग-अलग गणनाएं बनाई गई हैं, जिनमें 400 से 500 पुलिसकर्मी तैनात रहते हैं।

हर गणना का एक प्रभारी होता है और उसके अधीन गार्द कमांडर काम करता है। आरोप है कि गार्द कमांडर हर सिपाही से दो हजार रुपये वसूलता है। इस हिसाब से एक गणना से करीब आठ लाख रुपये की उगाही होती है।

वीडियो में यह भी दावा किया गया कि मनचाही ड्यूटी दिलाने या ड्यूटी से राहत देने के नाम पर पांच-पांच हजार रुपये तक लिए जाते हैं। सूत्रों के अनुसार, कुछ पुलिसकर्मी हर महीने रकम देकर बिना लिखापढ़ी के ड्यूटी से गायब रहते हैं। सिपाही सुनील ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस लाइन में 'वसूली राज' का आरोप

पुलिस लाइन में रिश्वत नेटवर्क, वायरल वीडियो के बाद जांच शुरू

मामला सामने आने के बाद पुलिस आयुक्त ने एडीसीपी लाइन राजेश यादव को जांच सौंपी है। वहीं एसीपी लाइन शिप्रा पांडेय ने कहा कि गार्द ड्यूटी पूरी तरह मानक संचालन प्रक्रिया के तहत लगाई जाती है और इसकी निगरानी वरिष्ठ अधिकारी करते हैं। फिलहाल वायरल वीडियो और लगाए गए आरोपों की जांच जारी है।

बताया जा रहा है कि सिपाही सुनील ने 45 दिन की छुट्टी मांगी थी, लेकिन उसे केवल 20 दिन की छुट्टी मंजूर हुई थी। इसके बाद उसने यह वीडियो वायरल किया।

युवक की सीने में गोली मारकर की हत्या

यूनिक समय, अमेठी । अमेठी जिले के पीपरपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से गांव में दहशत फैल गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। घटना के बाद गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है।

जानकारी के अनुसार, खानापुर गांव निवासी दीपक मिश्र (30) पुत्र स्वर्गीय कपिल मुनि को गांव के ही सचिन पांडेय ने पिस्टल दिखाने के बहाने बुलाया था। बताया जा रहा है कि सचिन, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि श्रीकांत मिश्र का मौसेरा भाई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दोनों के बीच बातचीत चल रही थी, तभी अचानक सचिन ने अवैध पिस्टल से दीपक के सीने में गोली मार दी। गोली लगते ही दीपक जमीन पर गिर पड़ा और मौके पर अफरातफरी मच गई। आसपास मौजूद ग्रामीण तुरंत उसे गंभीर हालत में सुल्तानपुर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजन रोते-बिलखते अस्पताल पहुंच गए। घटना की सूचना मिलते ही पीपरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर मामले की जानकारी जुटाई। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें लगाई गई हैं। शुरुआती जांच में पुरानी रंजिश और अवैध हथियार के इस्तेमाल की बात सामने आ रही है। हालांकि हत्या के पीछे की असली वजह का पता लगाने के लिए पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

पिस्टल दिखाने के बहाने बुलाया

स्मार्ट मीटर विवाद से घिरे ऊर्जा मंत्री

मंत्रिमंडल विस्तार में बदल सकता है विभाग

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर जनता के भारी विरोध का असर अब सरकार और संगठन स्तर पर भी दिखाई देने लगा है। सूत्रों के अनुसार, आगामी मंत्रिमंडल विस्तार में ऊर्जा मंत्री एके शर्मा से ऊर्जा विभाग वापस लिया जा सकता है। संघ और भाजपा नेताओं ने सरकार को फीडबैक दिया था कि स्मार्ट मीटर को लेकर लोगों में भारी नाराजगी है, जिसका चुनाव में नुकसान उठाना पड़ सकता है।

प्रदेश में लाखों घरों के पोस्टपेड मीटर को बिना सहमति प्रीपेड में बदले जाने, निगेटिव बैलेंस दिखाकर बिजली काटने और ज्यादा बिल आने की शिकायतों ने विवाद बढ़ा दिया। कई शहरों में लोगों ने स्मार्ट मीटर उखाड़कर प्रदर्शन किया। महिलाओं के सड़क पर

उतरने और वीडियो वायरल होने से मामला और गरमा गया। बताया जा रहा है कि संघ की समन्वय बैठक में भी इस मुद्दे पर चिंता जताई गई थी। विपक्ष ने भी सरकार को घेरना शुरू कर दिया था। इसके बाद सरकार ने यू-टर्न लेते हुए प्रीपेड व्यवस्था खत्म करने और फिर से मासिक बिलिंग लागू करने का फैसला किया।

सूत्रों का दावा है कि स्मार्ट मीटर विवाद के कारण ऊर्जा विभाग में बड़े बदलाव की संभावना बढ़ गई है।

सीएम फेलो योजना

सरकारी नौकरियों में मिलेगी उम्र सीमा में छूट

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार की नई सीएम फेलो योजना युवाओं के लिए बड़ा अवसर लेकर आई है। योजना के तहत चयनित फेलो को सरकारी नौकरियों में आयु सीमा में विशेष छूट दी जाएगी। इसके साथ ही चयन प्रक्रिया को पूरी तरह मेरिट आधारित बनाया गया है, ताकि प्रतिभाशाली और प्रशासनिक समझ रखने वाले युवाओं को मौका मिल सके।

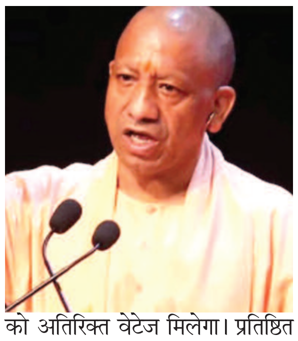

प्रदेश सरकार ने हाल ही में कैबिनेट बैठक में इस योजना को मंजूरी दी थी। अब सभी जिलों में सीएम फेलो की तैनाती की तैयारी तेज कर दी गई है। चयन प्रक्रिया यूपी स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के माध्यम से कराई जाएगी। इसके लिए 100 अंकों की मेरिट प्रणाली तय की गई है, जिसमें 50 अंक लिखित परीक्षा, 30 अंक अधिमानी अर्हता और 20 अंक साक्षात्कार के होंगे। लिखित परीक्षा में प्रशासनिक समझ, नीति निर्माण, समसामयिक घटनाक्रम, डेटा विश्लेषण, डिजिटल गवर्नेंस और समस्या समाधान से जुड़े प्रश्न पूछे जाएंगे। वहीं अधिमानी अर्हता के तहत नीति अनुसंधान, सामाजिक क्षेत्र में अनुभव, डिजिटल टेक्नोलॉजी, डाटा मैनेजमेंट और प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग से जुड़े उम्मीदवारों को अतिरिक्त वेटेज मिलेगा। प्रतिष्ठित संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं को भी चयन में लाभ दिया जाएगा। अपर मुख्य सचिव नियोजन आलोक कुमार के अनुसार, योजना का उद्देश्य केवल डिग्रीधारी युवाओं का चयन करना नहीं, बल्कि ऐसे प्रतिभाशाली युवाओं को आगे लाना है जिनमें नेतृत्व क्षमता और प्रशासनिक कार्यों की समझ हो। चयनित अभ्यर्थियों को तैनाती से पहले दो सप्ताह का विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, ताकि वे सरकारी योजनाओं और प्रशासनिक कार्यप्रणाली को बेहतर तरीके से समझ सकें। सरकार शुरुआती चरण में सीमित संख्या में फेलो तैनात करेगी, लेकिन योजना सफल रहने पर संख्या बढ़ाई जा सकती है। सरकारी नौकरियों में आयु सीमा में छूट का प्रावधान इस योजना का सबसे बड़ा आकर्षण माना जा रहा है, जिससे युवाओं में उत्साह बढ़ा है।

मुनीर गैंग से जुड़े हथियार तस्करों का बड़ा नेटवर्क बेनकाब

पिस्टल से शुरू हुआ मौत का कारोबार

यूनिक समय अलीगढ़ । अलीगढ़ पुलिस ने अवैध हथियार तस्करी के बड़े गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। थाना सिविल लाइन, क्वार्सी और क्रिमिनल इंटेलिजेंस विंग की संयुक्त कार्रवाई में गिरफ्तार 12 तस्करों के तार कुख्यात मुनीर गैंग से जुड़े पाए गए हैं। जांच में सामने आया है कि यह गिरोह कई राज्यों तक फैले नेटवर्क के जरिए अपराधियों को हथियार और रसद उपलब्ध करा रहा था।

पुलिस के अनुसार, गिरोह का सरगना हाजी कासिफ एक लाख रुपये के इनामी बदमाश जुबैर के सीधे संपर्क में था। जुबैर मुनीर गैंग का सक्रिय सदस्य है और लंबे समय से फरार चल रहा है। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि इसी गिरोह ने 24 दिसंबर 2025 को एएमयू के एबीके स्कूल के कंप्यूटर साइंस शिक्षक राव दानिश की हत्या में शामिल आरोपियों को हथियार उपलब्ध कराए थे। इस हत्याकांड में यासिर, फहद और जुबैर मुख्य आरोपी हैं, जिन पर पुलिस ने एक-एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया है। पुलिस को जांच के दौरान होटल क्राउन प्लाजा से जुड़े वीडियो फुटेज मिले हैं। फुटेज में हथियारों की डीलिंग और अपराधियों की बैठकों के सबूत सामने आए हैं। पुलिस का दावा है कि खैर रोड स्थित यह होटल गिरोह का मुख्य अड्डा बन चुका था, जहां हथियारों की खरीद-फरोख्त होती थी। सराय हकीम फायरिंग कांड के आरोपी योगी को भी इसी गिरोह ने हथियार मुहैया कराए थे।

एसएसपी नीरज जादौन ने बताया कि जांच में दो जिलों के नाम सामने आए हैं, जहां से हथियारों की सप्लाई की जा रही थी। पुलिस अब उन ठिकानों की तलाश कर रही है जहां अवैध हथियार बनाए जा रहे थे। साथ ही उन लोगों की भी कुंडली खंगाली जा रही है जो गैंग को आर्थिक मदद या पनाह दे रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की गिरफ्तारी भी की जाएगी।

पुलिस जांच में कई जिलों और सफेदपोशों के नाम आए सामने

फरार गैंगस्टरों तक पहुंचने के लिए पुलिस का बड़ा ऑपरेशन

तस्करों के नेटवर्क पर शिकंजा, कई राज्यों तक फैले तार

गाजियाबाद में पेंट फैक्ट्री के बाहर लगी भीषण आग

यूनिक समय गाजियाबाद । गाजियाबाद के मेरठ रोड स्थित दुहाई स्टेशन के पास मैनापुर मोरटा इलाके में शुक्रवार दोपहर एक पेंट फैक्ट्री के बाहर भीषण आग लग गई। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई और सड़क किनारे ऊंची लपटें उठने लगीं। राहगीरों ने घटना के वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए।

बताया गया कि फैक्ट्री के बाहर रखे खाली केमिकल ड्रम और ज्वलनशील सामान में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और आसपास रखे ड्रम भी इसकी चपेट में आ गए। घटना के समय फैक्ट्री बंद थी।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। फायर कर्मियों ने फोम टेंडर की मदद से करीब 30 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग की वजह से आसपास की सूखी घास और कचरा भी जलने लगा था, लेकिन समय रहते आग को दूसरी फैक्ट्रियों तक फैलने से रोक लिया गया।अधिकारियों के मुताबिक, हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

चार दमकल गाड़ियों ने आधे घंटे में पाया काबू

अमित शाह की मौजूदगी में बनी नई रणनीति

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन सुवेंदु बनेंगे मुख्यमंत्री

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत हासिल करने के बाद भाजपा पहली बार राज्य में सरकार बनाने की तैयारी में जुट गई है। कोलकाता में दिनभर चली बैठकों और मंथन के बाद सुवेंदु अधिकारी का नाम मुख्यमंत्री पद के लिए लगभग तय माना जा रहा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार इस बार बंगाल में डिप्टी सीएम का पद नहीं बनाया जाएगा और पूरी कमान एक मजबूत चेहरे के हाथों में सौंपी जाएगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को कोलकाता पहुंचे और उन्होंने प्रदेश भाजपा नेताओं के साथ कई दौर की बैठकें कीं। विश्व बंगला कन्वेंशन सेंटर में आयोजित विधायक दल की बैठक में नए नेता के चयन पर चर्चा हुई। पार्टी के भीतर लंबे समय से संगठन और विपक्ष की राजनीति संभाल रहे सुवेंदु अधिकारी को सबसे मजबूत दावेदार माना गया।

नई सरकार के गठन के बीच बंगाल में हिंसा और तनाव का माहौल भी लगातार चर्चा में बना हुआ है। कई जिलों से झड़प, बमबाजी और राजनीतिक टकराव की खबरें सामने आईं। इसी बीच सुवेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या ने राजनीतिक माहौल को और गर्मा दिया। भाजपा नेताओं ने इसे लोकतंत्र पर हमला बताते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है।

नई कैबिनेट में कई नए चेहरों को मौका मिलने की संभावना जताई जा रही है। पार्टी सामाजिक और भावनात्मक संतुलन साधने की रणनीति पर काम कर रही है। पहली बार विधायक बनीं रत्ना देबनाथ, पूर्व आईपीएस अधिकारी राजेश कुमार और पूर्व एनएसजी कमांडो दिपांजन चक्रवर्ती जैसे नाम चर्चा में हैं। वहीं विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए तपस रॉय का नाम सामने आ रहा है।

भाजपा नेतृत्व इस बार बंगाल में वैचारिक मजबूती और संगठनात्मक अनुभव दोनों को प्राथमिकता देना चाहता है। पार्टी का मानना है कि राज्य में स्थायी राजनीतिक आधार बनाने के लिए मजबूत प्रशासन और सख्त कानून व्यवस्था जरूरी होगी। अब सभी की नजर विधायक दल की अंतिम घोषणा और शपथ ग्रहण समारोह पर टिकी हुई है, जहां बंगाल की नई सत्ता का चेहरा आधिकारिक रूप से सामने आएगा।

तमिलनाडु में अभिनेता विजय की सरकार लगभग तय

यूनिक समय, नई दिल्ली। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के बाद राज्य की राजनीति में बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। लंबे राजनीतिक मंथन और जोड़तोड़ के बाद अब विजय को 118 विधायकों का समर्थन मिल गया है, जिससे उनकी सरकार बनने का रास्ता लगभग साफ माना जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार विजय जल्द ही राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। तमिलगा वेत्री कझगम नेताओं ने दावा किया है कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी और विदुथलाई चिरुथिगल काची जैसे दलों ने भी विजय को समर्थन देने का फैसला किया है।

पार्टी नेताओं का कहना है कि जनता ने बदलाव के लिए वोट दिया है और विजय ही तमिलनाडु के अगले मुख्यमंत्री होंगे।

सरकार गठन की हलचल के बीच चेन्नई में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। तमिलगा वेत्री कझगम के संयुक्त महासचिव सीटीआर निर्मल कुमार ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मुख्यालय पहुंचकर नेताओं से बातचीत की। वहीं विदुथलाई चिरुथिगल काची प्रमुख थोल थिरुमावलवन ने भी विजय से मुलाकात कर समर्थन को लेकर चर्चा की। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने भी चेन्नई स्थित कार्यालय में अहम बैठक बुलाई है। इधर चेन्नई में विजय के संभावित शपथ ग्रहण को लेकर समर्थकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। लोक भवन के बाहर प्रदर्शन कर रहे कई समर्थकों को पुलिस ने हिरासत में लिया। दूसरी ओर तमिलनाडु भारतीय जनता पार्टी ने साफ कर दिया है कि वह सरकार गठन की प्रक्रिया से दूरी बनाए रखेगी और किसी गठबंधन का समर्थन नहीं करेगी। तमिलनाडु की राजनीति अब पूरी तरह विजय के अगले कदम पर टिकी हुई है। अगर राज्यपाल के सामने बहुमत साबित हो जाता है तो फिल्मी पर्दे का यह सुपरस्टार जल्द ही सत्ता के सबसे बड़े मंच पर नजर आ सकता है।

चौथी शिक्षक भर्ती में देरी पर पटना में बवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। पटना में शुक्रवार को शिक्षक भर्ती परीक्षा का विज्ञापन जारी न होने से नाराज अभ्यर्थियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में अभ्यर्थी पटना कॉलेज से मार्च निकालते हुए मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़े।

इस दौरान पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन प्रदर्शनकारी आगे बढ़ने पर अड़ गए। हालात बिगड़ने पर पुलिस और अभ्यर्थियों के बीच धक्का-मुक्की हुई, जिसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

अभ्यर्थियों का आरोप है कि सरकार

अभ्यर्थियों पर पुलिस का लाठीचार्ज

और लोक सेवा आयोग लगातार शिक्षक भर्ती प्रक्रिया को टाल रहे हैं, जिससे हजारों युवाओं की आयु सीमा समाप्त होने का खतरा पैदा हो गया है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे पिछले दो वर्षों से भर्ती प्रक्रिया शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। वहीं बिहार के शिक्षा मंत्री मिथलेश तिवारी ने छात्रों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि सरकार उनकी सभी समस्याओं पर गंभीरता से विचार करेगी। जानकारी के मुताबिक इस भर्ती के तहत 46 हजार 882 शिक्षकों की नियुक्ति होनी है।

बेरीनाग बाजार में धामी ने जलेबी खाकर जीता दिल

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपने जनपद भ्रमण के दौरान बेरीनाग बाजार पहुंचे, जहां उन्होंने स्थानीय लोगों से आत्मीय मुलाकात की। मुख्यमंत्री को अपने बीच देखकर बाजार में उत्साह का माहौल बन गया। धामी ने बाजार में घूमते हुए व्यापारियों, महिलाओं, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं।

इस दौरान उन्होंने स्थानीय व्यापारी दान सिंह मेहरा की दुकान पर रुककर गर्मागर्म जलेबी का स्वाद भी लिया। लोगों ने मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जनता से सीधे संवाद को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने उत्तराखंड की पारंपरिक संस्कृति, स्थानीय बाजारों और पहाड़ी उत्पादों को बढ़ावा देने की बात कही। इसके बाद मुख्यमंत्री चौकोड़ी भी पहुंचे, जहां भाजपा कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने उनका भव्य स्वागत किया। पुलिस विभाग की ओर से उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। दौरे के दौरान मुख्यमंत्री एक वैवाहिक कार्यक्रम में भी शामिल हुए।

रोजमर्रा का सामान होगा महंगा, बढ़ेगा हर घर का खर्च

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश की बड़ी एफएमसीजी कंपनियां जल्द ही साबुन, शैंपू, बिस्किट, पैकेट फूड और अन्य रोजमर्रा के सामान के दाम बढ़ा सकती हैं। बढ़ती कच्चे माल की लागत, पैकेजिंग खर्च और पश्चिम एशिया तनाव के कारण कंपनियों पर दबाव बढ़ गया है। डाबर समेत कई कंपनियों ने कीमतें बढ़ाने के संकेत दिए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार कंपनियां दाम बढ़ाने के साथ पैकेट का वजन भी कम कर सकती हैं। इससे आने वाले महीनों में आम आदमी के ग्रॉसरी बिल पर सीधा असर पड़ सकता है।

फिल्मी अंदाज में दबोची गई धर्मांतरण मामले की आरोपी निदा खान

यूनिक समय, नई दिल्ली। नासिक के चर्चित टीसीएस धर्मांतरण मामले में फरार चल रही मुख्य आरोपी निदा खान को पुलिस ने बेहद गोपनीय ऑपरेशन चलाकर गिरफ्तार कर लिया। छत्रपति संभाजीनगर के नेरगांव इलाके में कई दिनों तक सादे कपड़ों में निगरानी रखने के बाद पुलिस ने फिल्मी अंदाज में रेड मारकर उसे हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार निदा खान लगातार ठिकाने बदल रही थी और अग्रिम जमानत की तैयारी में जुटी थी। तकनीकी निगरानी, मोबाइल लोकेशन ट्रैकिंग और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के जरिए उसकी मौजूदगी की पुष्टि की गई। कार्रवाई के दौरान उसके परिवार के सदस्य भी फ्लैट में मौजूद थे। जांच एजेंसियों का दावा है कि निदा खान कथित धर्मांतरण नेटवर्क से जुड़ी हुई थी और कर्मचारियों को धार्मिक सामग्री भेजती थी। मामले में अब तक आठ लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

ईंधन कीमतों पर विपक्ष को सम्राट का करारा जवाब

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विपक्ष पर जनता को गुमराह करने और डर की राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने साफ कहा कि पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर फैलायी जा रही बातें पूरी तरह अफवाह हैं।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर बयान जारी करते हुए कहा कि पांच राज्यों के चुनाव खत्म होने के बाद ईंधन की कीमतें बढ़ाने का कोई प्रस्ताव सरकार के पास लंबित नहीं है। उन्होंने विपक्ष पर फर्जी माहौल बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता अब सच और झूठ में फर्क समझने लगी है।

सम्राट चौधरी ने कहा कि न पेट्रोल महंगा हुआ है, न डीजल और न ही घरेलू गैस सिलेंडर के दाम बढ़े हैं। इसके बावजूद विपक्ष लगातार भ्रम फैलाने में जुटा है। उन्होंने इसे "डर की राजनीति" करार देते हुए कहा कि जनता अब अफवाहों से प्रभावित नहीं होने वाली। इधर मंत्रिमंडल विस्तार के बाद सम्राट चौधरी ने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी मुलाकात की। दोनों नेताओं की तस्वीर सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में इसे सत्ता पक्ष की एकजुटता का संकेत माना जा रहा है। सरकार अब संगठन और राजनीतिक मोर्चे पर अधिक सक्रिय नजर आ रही है।

चक्रधरपुर में पुलिस की बड़ी कार्रवाई

तस्करों के चंगुल से मुक्त हुए 9 नाबालिग बच्चे

यूनिक समय, नई दिल्ली। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 9 नाबालिग बच्चों को मानव तस्करों के चंगुल से बचा लिया। चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन पर चलाए गए विशेष अभियान के दौरान 4 लड़कों और 5 लड़कियों को संदिग्ध परिस्थितियों में ले जाते हुए पकड़ा गया। पुलिस की सतर्कता से तस्करी की पूरी साजिश नाकाम हो गई।

जानकारी के अनुसार तस्कर बच्चों को अच्छी नौकरी और बेहतर भविष्य का सपना दिखाकर गुजरात और तमिलनाडु ले जा रहे थे। चार लड़कों को गुजरात में काम दिलाने का लालच दिया गया था, जबकि पांच लड़कियों को तमिलनाडु की एक कंपनी में भेजने की तैयारी थी। स्टेशन पर जांच के दौरान पुलिस को बच्चों की गतिविधियां संदिग्ध लगीं, जिसके बाद पूछताछ में पूरा मामला सामने आ गया।

इस अभियान का नेतृत्व चक्रधरपुर थाना प्रभारी अवधेश कुमार ने किया। कार्रवाई में महिला थाना, रेलवे सुरक्षा बल, चाइल्ड हेल्पलाइन, जिला बाल संरक्षण इकाई, बाल कल्याण समिति और अन्य सामाजिक संस्थाओं की टीम भी शामिल रही। संयुक्त टीम ने तुरंत बच्चों को सुरक्षित संरक्षण में लेकर बाल गृह भेज दिया, जहां उनकी देखभाल की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार जिले में मानव तस्करी की घटनाओं को देखते हुए रेलवे स्टेशन और आसपास के इलाकों में लगातार निगरानी बढ़ाई गई है। पिछले एक महीने में यह तीसरा बड़ा रेस्क्यू अभियान बताया जा रहा है। इससे पहले भी कई नाबालिग लड़कियों को तस्करों के जाल से मुक्त कराया जा चुका है।

थाना प्रभारी अवधेश कुमार की सक्रियता और सूझबूझ की स्थानीय लोग सराहना कर रहे हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत प्रशासन को दें, ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

वृन्दावन में यमुना किनारे अक्रूर घाट का होगा निर्माण

6.35 करोड़ रुपए की महत्वाकांक्षी परियोजना को मंजूरी

शासन ने 3.17 करोड़ रुपए जारी किए

अक्रूर घाट पर बनेंगे स्नान प्लेटफॉर्म–सीढ़ियां एवं अन्य, आगंतुकों की सुविधाओं का होगा खास ध्यान

ब्रज क्षेत्र को विश्व स्तरीय पर्यटन केंद्र बनाने की दिशा में हो रहे कार्य– जयवीर सिंह

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, लखनऊ/मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण की लीला के साक्षी रहे मथुरा–वृन्दावन दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को अब आस्था के साथ आधुनिक सुविधाओं का भी बेहतर अनुभव मिलेगा। द्वापर युगीन आस्था से जुड़ा अक्रूर घाट अब धार्मिक चेतना और पर्यटन विकास का नया केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार ने वृन्दावन में यमुना के दाहिने तट पर स्थित अक्रूर घाट के निर्माण एवं सौंदर्यीकरण के लिए 6.35 करोड़ रुपए की महत्वाकांक्षी

परियोजना को मंजूरी देते हुए 3.17 करोड़ रुपए जारी कर दिए हैं।

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'मथुरा–वृन्दावन की पवित्र भूमि पर आने वाले देश–विदेश के श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर दर्शन अनुभव उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि अक्रूर घाट का विशेष पौराणिक महत्व है। यह भगवान श्रीकृष्ण व बलराम से जुड़ी कथाओं का प्रमुख केंद्र रहा है। मंत्री ने बताया कि धार्मिक पर्यटन के प्रति बढ़ते रुझान, बेहतर कनेक्टिविटी और सुविधाओं के विस्तार के चलते उत्तर प्रदेश घरेलू पर्यटन में शीर्ष स्थान पर पहुंचा है। नतीजतन, वर्ष 2025 में 10.24 करोड़ से अधिक पर्यटक मथुरा पहुंचे।

परियोजना के तहत अक्रूर घाट के विकास को लेकर व्यापक कार्य किए जाएंगे। 30 मीटर लंबाई में 14 मीटर और 5 मीटर गहराई तक शीट पाइलिंग की जाएगी। दोनों शीट पाइल को जोड़ने के लिए हर तीन मीटर पर 45 एमएम व्यास की एंकर बार लगाई जाएगी। इसके अलावा पांच मीटर चौड़े स्नान प्लेटफॉर्म का निर्माण होगा। घाट की सीढ़ियों और पटरा का निर्माण किया जाएगा, जिन पर लाल पत्थर लगाया जाएगा। घाट पर पर्याप्त जल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 220 मीटर लंबा चैनल भी खोदा जाएगा। साथ ही, अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम हिस्सों में स्लोप पिचिंग का कार्य कराया जाएगा, जिससे घाट की संरचना मजबूत और सुरक्षित बनी रहे।

...जब अक्रूर ने पहचाना श्रीकृष्ण का परम स्वरूप

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा–वृंदावन मार्ग पर यमुना तट स्थित अक्रूर घाट का पौराणिक महत्व है। मान्यता है कि जब कंस के बुलावे पर अक्रूर जी श्रीकृष्ण और बलराम को लेकर मथुरा जा रहे थे, तब इसी स्थान पर विश्राम के दौरान यमुना स्नान करते समय उन्हें जल के भीतर भगवान विष्णु के चतुर्भुज स्वरूप में श्रीकृष्ण और बलराम के दिव्य दर्शन हुए। इस अलौकिक अनुभूति ने अक्रूर जी को यह विश्वास दिलाया कि श्रीकृष्ण कोई साधारण बालक नहीं, बल्कि स्वयं नारायण के अवतार हैं। यही कारण है कि अक्रूर घाट आज भी श्रद्धालुओं के लिए गहरी आस्था और रहस्य से भरा पवित्र स्थल बना हुआ है।

रेल–सड़क मार्ग से पहुंच आसान

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा का रेलवे स्टेशन बाहरी जिलों और राज्यों से आने वाले यात्रियों के लिए प्रमुख आगमन बिंदु है, जहां अधिकांश ट्रेनें ठहरती हैं। रेलवे स्टेशन के समीप ही बस स्टैंड स्थित होने से आवागमन और भी सुगम हो जाता है। अक्रूर घाट की दूरी मथुरा रेलवे स्टेशन से लगभग 16 किलोमीटर और नए बस स्टैंड से करीब 15 किलोमीटर है, जिससे यात्रियों को वहां तक पहुंचने में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी।

चकरोड पर अवैध रूप से हो रहा पेट्रोल पंप का निर्माण

दर्जनों किसान शिकायत लेकर पहुंचे एसडीएम के पास

हफ्ते भर पहले कानूनगो और लेखपाल ने निर्माण न करने के दिए थे आदेश

चकरोड पर बनाया जा रहा पेट्रोल पंप

यूनिक समय, गोवर्धन । यह मामला गोवर्धन तहसील के राधाकुंड क्षेत्र का है जहां मौजा राधाकुंड के चक रोड संख्या 1863 पर भूमाफिया मुरारी द्वारा पेट्रोल पंप का निर्माण कराया जा रहा था है जो अवैध है जिसकी शिकायत लेकर दर्जनों किसान आज एसडीएम कार्यालय पहुंचे और लिखित प्रार्थना पत्र देकर चकरोड पर बनाये जा रहे पेट्रोल पंप के निर्माण कार्य को रुकवा कर चकरोड को खाली कराने की गुहार लगाई। जिस पर सुनवाई करते हुए एसडीएम गोवर्धन ने तुरन्त निर्माण कार्य रुकवा कर चकरोड खाली कराने का अधीनस्थ अधिकारियों तहसीलदार, नायब तहसीलदार, कानूनगो और लेखपाल को आदेश दिया है। किसानों का कहना है कि हम वर्ष 2020 से इस चकरोड पर दबंग द्वारा कब्जा किए जाने की शिकायत प्रशासन को लिखित प्रार्थना पत्र देकर कर रहे हैं और एक टीम गठित भी हुई जिसे 27 अप्रैल 2026 को उक्त प्रकरण के निस्तारण की जानकारी एसडीएम गोवर्धन को देनी थी लेकिन सब कागजों में सिमट कर दब गया। किसानों ने आशा जताई है कि वर्तमान एसडीएम गोवर्धन इस समस्या को गंभीरता से लेते हुई जरूर निराकरण कर दबंग के खिलाफ कार्यवाही करेंगे और योगी सरकार में भूमाफिया के खिलाफ अभियान को जारी रखेंगे, शिकायत लेकर पहुंचे लोगों में दीपक गिरधर, संजीव मल्होत्रा, रवि कुमार, चंद्रबाबू, रामबाबू, विनोद, उमाशंकर, ओमप्रकाश, राजेंद्र ओमी आदि मौजूद रहे।

वृंदावन–मांट मार्ग पर सड़क हादसा

गोपेश्वर महादेव मंदिर की सेवायत मीनाक्षी गोस्वामी समेत दो की मौत

यूनिक समय, वृन्दावन। वृंदावन-मांट मार्ग पर आज अपराह्न एक मंदिर के पास हुए सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है। इसमें प्राचीन गोपेश्वर महादेव मंदिर की सेवाधिकारी मीनाक्षी गोस्वामी भी शामिल बताई गई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मांट मार्ग स्थित फक्कड बाबा मंदिर से पहले स्कूटी और मोटरसाइकिल की आमने–सामने से जबरदस्त भिड़ंत हो गई थी। भिड़ंत इतनी तेज थी कि दोनों गाड़ियों को चलाने वाले गंभीर रूप से घायल हो गए। थाना जमुना पार थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि गिरधारी लाल (40) पुत्र बलबीर सिंह निवासी ग्राम उझर थाना मांट वृंदावन की तरफ से अपनी मोटरसाइकिल होंडा शाइन से अपने घर

डॉ. मीनाक्षी गोस्वामी (फाइल फोटो)

जा रहे थे तथा मीनाक्षी गोस्वामी (50) पुत्री रामगोपाल सेवायत गोपेश्वर महादेव मंदिर वृंदावन मांट की तरफ से आ रही थी। पानी गांव मांट रोड पर फक्कड़ बाबा मंदिर से पहले दोनों वाहन आमने–सामने से टकरा गए इसमें गिरधारी लाल की मौके पर ही मौत हो गई। मीनाक्षी गोस्वामी गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल मीनाक्षी गोस्वामी को एंबुलेंस अस्पताल में पहुंचाया गया, जहां पर इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई।

मथुरा में राष्ट्रीय लोक अदालत कल लगेगी

यूनिक समय, मथुरा। उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार नौ मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय में किया जाएगा। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में सभी प्रकार के वादों (आपराधिक शमनीय वाद, धारा 138 पराक्रम्य लिखत अधिनियम, बैंक वसूली वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकाएं, पारिवारिक वाद, श्रम वाद, भूमि अधिग्रहण वाद, विद्युत एवं जल बिल विवाद, सर्विस में वेतन सम्बंधित विवाद एवं सेवानिवृत्तिक लाभों से सम्बंधित विवाद, राजस्व वाद, उपभोक्ता फोरम वाद, अन्य सिविल वाद, किराया, सुखाधिकार, व्ययादेश, विशिष्ट अनुतोष वाद, अन्य वाद) का निस्तारण सुलह समझौते के आधार पर अपने–अपने न्यायालयों में किया जाना है।

प्राथमिक विद्यालय औधूता के बच्चों ने किया शैक्षिक भ्रमण

यूनिक समय, चौमुहां। प्राथमिक विद्यालय औधूता के बच्चों ने अक्षयपात्र संस्था के सहयोग से ऊँचे चंद्रोदय मंदिर का भ्रमण किया। बच्चों ने भगवान श्री राधा कृष्ण के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। मंदिर व्यवस्थापक ने सभी बच्चों व शिक्षकों को प्रसाद ग्रहण कराया। इस अवसर पर भारत स्काउट और गाइड के जिला प्रशिक्षण कमिश्नर व प्रधानाध्यापक अशोक कुमार सोलंकी विजिट प्रभारी वर्षा बघेल व देवेन्द्र सिंह आदि उपस्थित थे।

गोवर्धन में कान्हा गोशाला की भूमि अवैध कब्जे से मुक्त कराई

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन (मथुरा)। जिले में अवैध कब्जों के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गोवर्धन क्षेत्र में कान्हा गोशाला की भूमि को कब्जा मुक्त कराया है।

एसडीएम सुशील कुमार सिंह के मुताबिक गाटा संख्या 586, रकबा 0.817 हेक्टेयर भूमि पर किये गये अवैध कब्जे को हटाकर जमीन को खाली कराया गया। इस तरह से कान्हा गोशाला की सुरक्षित भूमि पर हुए अतिक्रमण को पूरी तरह हटवा दिया गया है। कब्जामुक्त कराई गई भूमि का चिन्हांकन कर लिया गया है, जहां अब गोशाला में निर्माण का कार्य कराया जाएगा। इस दौरान प्रशासनिक अमले की पूरी टीम मौके पर मौजूद थी। कार्रवाई में अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत गोवर्धन चैतन्य कुमार तिवारी, नायब तहसीलदार जयन्ती मिश्रा, थाना प्रभारी गोवर्धन भगवत सिंह, राजस्व निरीक्षक श्याम बिहारी तरकर, लेखपाल महेन्द्र सिंह, प्रधान लिपिक मोहन श्याम अग्रवाल आदि शामिल थे। प्रशासन की इस सख्त कार्रवाई से क्षेत्र में अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया है।

जुलहेंदी पहुंचे विधान परिषद सदस्य का ग्रामीणों ने किया स्वागत

विधान परिषद सदस्य का स्वागत करते ग्रामीण।

धार्मिक प्रोग्राम में भाग लेने पहुंचे

यूनिक समय, गोवर्धन। विधान सभा परिषद लखनऊ के सदस्य एक धार्मिक प्रोग्राम में भाग लेने गांव जुलहेंदी पहुंचे जहाँ उनका भव्य स्वागत किया गया। विधान सभा परिषद के सदस्य डॉ. सुरेन्द्र चौधरी आज मथुरा वृंदावन के दो दिवसीय धार्मिक प्रोग्राम में भाग लेने आये। वहीं जुलहेंदी निवासी रमाकांत दीक्षित के ब्रज भूमि फार्म हॉउस पर वह पहुंचे जहाँ ग्रामीणों ने माला, दुपट्टा पहना व गिरिराज महाराज की छवि चित्र भेंट कर उनका स्वागत सम्मान किया। ब्रज नगरी पहुंचने पर उन्होंने कहा कि ब्रज में आकर वह अपने आप को धन्य मानते हैं, ब्रज दर्शन भाग्यशाली लोगों को ही प्राप्त होते हैं। सम्मान समारोह में जीतेन्द्र गौड, श्रीनाथ सिंघल राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीराम सेना, डॉ. विजय दीक्षित, गौरी शंकर कौशिक एडवोकेट, रेखा रानी, भरत कुमार गर्ग, रामगोपाल इंजीनियर, खेम चंद्र, शिवम चौधरी, पिंटी नेता सकरवा वाले, पदम आदि लोग मौजूद रहे।

पत्रकारों की लेखनी समाज को दिशा देने में सक्षम: डॉ. कमल

यूनिक समय, फरह। विपरीत परिस्थितियों में पत्रकार को काम करना होता है, ऐसे में उनको काफी समस्याएं होती हैं। समाज को पत्रकार दिशा दिखाते हैं तो समस्याओं का समाधान भी कराते हैं। पत्रकारों की लेखनी समाज को दिशा देने में सक्षम है। पत्रकारों को राष्ट्रीय भावना को जागृत करने की दिशा में बेहतरी से काम करना चाहिए।

यह बात विश्व संवाद केंद्र द्वारा आयोजित नारद जयंती और पत्रकार सम्मान समारोह की अध्यक्षता करते हुए मुख्य वक्ता डॉ. कमल कौशिक ने कही। शुक्रवार को स्थानीय लोनिवि के अति ?थि भवन में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि पत्रकारिता में सत्य, संयम और सामाजिक उत्तरदायित्व का

नारद जयंती कार्यक्रम में दीप प्रज्ज्वलित करते डॉ. कमल कौशिक आदि।

पालन आवश्यक है। इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ देवर्षि नारद के चित्र पर माल्यार्पण–दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। आयोजक राम पाठक और सह आयोजक विजय राघव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि पत्रकार समाज का सजग प्रहरी होता है, जो राष्ट्र–समाज को सही दिशा देने का कार्य करता है। वर्तमान समय में सकारात्मक और राष्ट्रहितकारी पत्रकारिता की आवश्यकता और अधिक बढ़ गई है। मुख्य अतिथि संतोष गर्ग ओल ने कहा कि देवर्षि नारद भारतीय संस्कृति में संवाद, समन्वय और सत्य सूचना के प्रतीक माने जाते हैं। पत्रकारिता केवल समाचार देने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने का महान दायित्व भी है। विशिष्ट अतिथि डॉ. राजेन्द्र सिंह ने कहा कि भारतीय पत्रकारिता की मूल आत्मा राष्ट्र निर्माण और सामाजिक चेतना में निहित है। देवर्षि नारद के जीवन प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि संवाद का उद्देश्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना होना चाहिए। उन्होंने युवा पत्रकारों से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में क्षेत्र के पत्रकारों को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। संचालन राम पाठक ने किया। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष पारस ठाकुर, समाजसेवी डॉ. राजेंद्र सिंह, कृष्णा ठाकुर, नरेंद्र शर्मा ओल, मनोज मित्तल, आलोक आदि उपस्थित रहे।